रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

पीएम उज्वला योजना के तहत 12000 करोड़ रुपये की मंजूरी

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 227 | रायपुर | शनिवार 09 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

SIR पर अमित शाह का जवाब, राहुल-लालू पर जमकर साधा निशाना

जो भारत में नहीं जन्मा, उसे वोट का अधिकार नहीं : शाह

नईदिल्ली,एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं?

शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था... बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूँढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए।

अमित शाह ने किया सीता माता के भव्य मंदिर का भूमिपूजन,

गृहमंत्री अमित शाह ने सीतामढ़ी में जानकी मंदिर के लिए भूमिपूजन किया. मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे. मंदिर के भूमिपूजन के लिए अमित शाह दिल्ली से खासतौर पर सीतामढ़ी पहुंचे थे. सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में माता सीता का भव्य मंदिर मनाया जा रहा है. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस स्थान को माता सीता का जन्मस्थान माना गया है.

रक्षाबंधन पर केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला,

नहीं बढ़ेंगे सिलेंडर के दाम

पूर्वोत्तर के विकास के लिए स्पेशल पैकेज

मोदी कैबिनेट की बैठक में लिए गए बड़े फैसले

एजेंसी। केंद्रीय कैबिनेट ने शुक्रवार को 52,667 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी है, जिसके तहत शिक्षा, एलीपीजी (LPG), बुनियादी ढांचा और पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास पर जोर दिया गया है. केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तकनीकी शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने के लिए 4,200 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री उवला योजना के तहत 12,060 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी. केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए 30,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी को मंजूरी दी है. इससे एलपीजी के दाम नहीं बढ़ेंगे. केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में पूर्वोत्तर के राज्य असम और त्रिपुरा पर विशेष फोकस किया गया है. इन दोनों राज्यों के लिए 4250 करोड़ रुपये का स्पेशल विकास पैकेज को मंजूरी दी ।

प. बंगाल : टीएमसी मंत्री चंद्रनाथ पर चलेगा मुकदमा, राज्यपाल ने दी मंजूरी

कोलकाता एजेंसी।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने राज्य के राज्य के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम और वस्त्र मंत्री चंद्रनाथ सिन्हा के खिलाफ स्कूल भर्ती घोटाले में अभियोजन की मंजूरी दे दी। यह मामला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच से जुड़ा है। राजभवन के एक अधिकारी ने बताया कि दस्तावेजों के आधार पर राज्यपाल ने धनशोधन के आरोप में मंत्री सिन्हा के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। यह आरोपपत्र प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दायर मामले से संबंधित है। प्रवर्तन निदेशालय ने बोलपुर से अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) के विधायक चंद्रनाथ सिन्हा के दो बैंक खातों में 1.5 करोड़ रुपये पाए हैं, जिनके बारे में मंत्री विस्तृत जानकारी देने में नाकाम रहे। इससे पहले इसी घोटाले में पश्चिम बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल किया गया था। जांच के दौरान सिन्हा का नाम तृणमूल कांग्रेस के निष्कासित युवा नेता कुंतल घोष से जुड़े वित्तीय लेन-देन में सामने आया।

घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करें या देश से माफी मांगें राहुल गांधी : चुनाव आयोग

'पुरानी स्क्रिप्ट दोहरा रहे, 2018 में कमलनाथ ने भी किया था यही काम,' राहुल के आरोपों पर बोला चुनाव आयोग

एजेंसी। राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों पर आयोग ने सख्ती दिखाई है। चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले की जांच करने के लिए राहुल गांधी से हलफनामा देने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी को अपने विश्लेषण पर भरोसा है और वे चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सच मानते हैं, तो उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के घोषणा-पत्र (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी इस घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करते, तो इसका सीधा अर्थ होगा कि उन्हें अपने ही विश्लेषण और उसके आधार पर लगाए गए आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसे में, चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए 'बेतुके आरोपों' के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

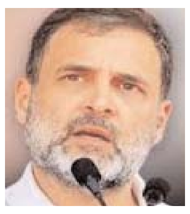

सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने आगे कहा है कि राहुल गांधी के पास अब केवल दो विकल्प हैं, या तो घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करके अपने आरोपों को साबित करें, या फिर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए देश से सार्वजनिक रूप से मांफी मांगे करें। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक पुरानी और थकी हुई स्क्रिप्ट दोहराई है। 2018 में यह काम कमलनाथ ने किया था, जो उस समय मध्य प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष थे। आज यह काम लोकसभा में विपक्ष के नेता कर रहे हैं।

आयोग ने कहा, 2018 में कमलनाथ ने सुप्रीम कोर्ट को गुमराह करने की कोशिश की थी। यह दिखाने के लिए कि कुछ मतदाताओं के नाम कई बार सामने आ रहे हैं, मतदाता सूची में गलतियों को साबित करने के लिए एक निजी वेबसाइट से दस्तावेज पेश किए थे। असल में ये गलतियां करीब चार महीने पहले ठीक कर दी गई थीं और इसका प्रमाण पार्टी को दिया गया था। इस आधार पर मतदाता सूची का सर्चेबल पीडीएफ फॉर्मेट मांगा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कमलनाथ की इस याचिका को खारिज कर दिया था। अब 2025 में यह जानते हुए कि अदालत में वही चाल नहीं चलेगी, वे लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं कि मतदाता सूची में गड़बड़ियां हैं, जैसे कि एक ही नाम कई जगह दिख रहा है। उदाहरण के तौर पर आदित्य श्रीवास्तव का नाम तीन अलग-अलग राज्यों में होने की बात कही गई थी, जो महीनों पहले ही सही कर दी गई है। चुनाव आयोग ने आगे कहा कि कमलनाथ के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्पष्ट कर देता है कि मशीन द्वारा पढ़ने योग्य दस्तावेज के संबंध में क्या स्थिति है। बार-बार वही मुद्दा उठाना दिखाता है कि राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का सम्मान नहीं करते हैं।

बड़ी आतंकी साजिश नाकाम, विस्फोटक उपकरण निष्क्रिय

चंडीगढ़ ,पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया, जो पाकिस्तान में बैठे बब्बर खालसा अंतरराष्ट्रीय (बीकेआई) के सदस्य हरविंदर रिंदा और पाकिस्तान की सहायता से काम करने वाले आतंकवादी लखबीर उर्फ लांडा ने रची थी। पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। पंजाब पुलिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के मुताबिक, विश्वसनीय मानवीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद, एजीटीएफ ने तरनतारन पुलिस के साथ मिलकर एक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान तरनतारन से एक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) बरामद किया गया, जो हरविंदर रिंदा के साथियों तक पहुंचने से पहले ही पकड़ा गया।

सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन का शुभारंभ

एजेंसी

अमित शाह,गृह एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार द्वारा शुक्रवार को सीतामढ़ी से नई दिल्ली के लिए एक नई अमृत भारत ट्रेन सेवा का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया । आज इसका परिचालन सीतामढ़ी से 05599 सीतामढ़ी-दिल्ली उद्घाटन स्पेशल के रूप में किया गया । दिल्ली और सीतामढ़ी के मध्य गाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली-सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित परिचालन दिल्ली से 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को तथा सीतामढ़ी से 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को किया जाएगा । गाड़ी सं.

14048 दिल्ली-सीतामढ़ी अमृत भारत एक्सप्रेस 09.08.2025 से प्रत्येक शनिवार को दिल्ली से 14.00 बजे खुलकर गाजियाबाद, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसिवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, सिकटा, रक्सौल, बैरगनिया स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 10.45 बजे सीतामढ़ी पहुंचेगी ।

वापसी में गाड़ी सं. 14047 सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस 10.08.2025 से प्रत्येक रविवार को सीतामढ़ी से 22.15 बजे खुलकर उपरोक्त स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 22.40 बजे दिल्ली पहुंचेगी ।

भारत | दशकों से बन रही मज़बूत साझेदारी गंभीर खतरे मेंज

भारत पर टैरिफ लगाने के फैसले पर भड़के अमेरिकी सांसद ने ट्रंप को घेरा

वाशिंगटन अमेरिका के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने भारत पर लगाए गए ट्रंप प्रशासन के टैरिफ को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि रूस से तेल आयात को लेकर भारत पर ट्रंप द्वारा लगाया गया शुल्क, दोनों देशों के बीच दशकों से बन रही मज़बूत साझेदारी को गंभीर खतरे में डाल सकता है।

ग्रेगरी मीक्स अमेरिकी कांग्रेस में विदेश मामलों की समिति के प्रमुख सदस्य हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि ट्रंप की यह 'शुल्क संबंधी हताशा' भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक, आर्थिक और जन-स्तर के गहरे रिश्तों को नुकसान पहुंचा सकती है। हमारे बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच संबंध हैं। अगर कोई

चिंता है, तो उसका समाधान लोकतांत्रिक मूल्यों और आपसी सम्मान के साथ किया जाना चाहिए, मीक्स ने कहा। भारत के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकार अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी। ग्रेगरी मीक्स ने अपने बयान में इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी दोनों देशों के लिए बेहद अहम है। टैरिफ जैसे संवेदनशील मुद्दों को बातचीत और सम्मानजनक तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। उनका यह बयान दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच विश्वास और सहयोग को बरकरार रखने का संदेश देता है।

ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ का दिखा असर, वॉलमार्ट, अमेजन समेत कई कंपनियों ने होल्ड कर दिए भारत के ऑर्डर

अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद वॉलमार्ट, अमेजन, टारगेट और गैप सहित प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं ने भारत से आने वाले ऑर्डर रोक दिए हैं। भारतीय निर्यातकों को पहले से आशंका थी कि टैरिफ बढ़ने से ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों की ओर से लेटर और ईमेल भेजे गए हैं, जिनमें कपड़ों की शिपमेंट अगली सूचना तक रोकने को कहा गया है।

टैरिफ लगाने के बाद अमेरिका को भारत का झटका, करोड़ों की डील की रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के साथ भारत के तेल व्यापार की वजह से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। भारत सरकार ने भी अमेरिका के इस रवैए का जवाब देने का मन बना लिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका के खिलाफ भारत सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए एक अहम सैन्य डील रद्द कर दी है। डिफेंस वेबसाइट आईडीआरडब्ल्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने तीन अगस्त को इस सौदे को रोकने का फैसला लिया।

दरअसल, भारत ने अपनी नौसेना के लिए अमेरिका की बोइंग कंपनी से छह पी-8ढ्ढ पोसेडन विमान खरीदने का सौदा किया था। ये विमान समुद्र में निगरानी के उपयोग में लाए जाने थे। भारतीय नौसेना को इन विमानों की जरूरत है। ये अमेरिकी विमान बेहद आधुनिक और उन्नत हैं। अरब सागर से लेकर हिंद महासागर तक में चीन के बढ़ते प्रभाव पर नजर रखने के लिए अहम हैं। लेकिन, फिलहाल यह डील रोक दी गई है। भारतीय नौसेना के पास पहले से ऐसे 12 विमान हैं। भारत ने 2009 में बोइंग से विमान खरीदे थे और इन विमानों को खरीदने वाला अमेरिका का पहला खरीदार बना था। उस वक्त लागत भारतीय रुपए में करीब 19 हजार करोड़ रुपए आई थी।

2016 में भारत ने 4 विमान और खरीदे थे, जिस पर 8,500 करोड़ की लागत आई थी। भारतीय नौसेना ने इस विमान की क्षमता और दक्षता की प्रशंसा की थी। इसके बाद 2021 में 6 और विमान खरीदे जाने थे, जिसकी मंजूरी अमेरिका दे चुका था। लागत 21,000 करोड़ होने की वजह से डील को रोका गया था। 2025 में सौदे की लागत 31,500 करोड़ हो गई थी, इसके बावजूद भारत सरकार ने इन विमानों की खरीद करने का फैसला लिया था। लेकिन, फिलहाल डील को स्थगित कर दिया गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और यूरोपीय संघ पर भारत पर अनैतिक और अतार्किक टैरिफ लगाने का आरोप लगाया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि यूरोपीय संघ का व्यापार रूस से भारत की अपेक्षा ज्यादा है। अमेरिका भी मास्को के साथ व्यापार करता है। ऐसे में भारत पर टैरिफ लगाना अनुचित है।

टैरिफ की नई चिंताओं के बीच लाल निशान में भारतीय शेयर बाजार

एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ की नई चिंताओं के बीच शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और फाइनेंशियल सर्विस सेक्टर में बिकवाली देखी गई। सुबह करीब 9.38 बजे, सेंसेक्स 272.30 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,350.96 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 75.60 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,520.55 पर था। विश्लेषकों के अनुसार, बाजार तकनीकी और बुनियादी तौर पर कमजोर बना हुआ है। निफ्टी का लगातार निचला स्तर तकनीकी रूप से एक कमजोर संकेत है। बुनियादी दृष्टिकोण से, वित्त वर्ष 26 के लिए आय में अभी तक कोई तेज वृद्धि के संकेत नहीं हैं।

ट्रम्प का भारत से ट्रेड डील पर बातचीत से इनकार, बोले- पहले टैरिफ मसला सुलझ, तब होगी बात

वॉशिंगटन डीसी ,एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के साथ किसी भी प्रकार की व्यापारिक समझौते (ट्रेड डील) की बातचीत से इनकार कर दिया है। ट्रम्प ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक अमेरिका और भारत के बीच टैरिफ विवाद का हल नहीं निकलता, तब तक किसी तरह की बातचीत संभव नहीं है। इससे पहले रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ट्रेड डील पर बातचीत के लिए जल्द ही भारत का दौरा कर सकता है। लेकिन अब ट्रम्प के बयान के बाद इन अटकलों पर विराम लग गया है। ट्रम्प प्रशासन की ओर से भारत पर लगाए गए कुल टैरिफ अब बढ़कर 50% तक पहुंच गए हैं। बुधवार को राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन करते हुए 25% अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की थी, जो 27 अगस्त से लागू होगा। वहीं, गुरुवार से 25% टैरिफ पहले ही लागू हो चुका है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह कड़ा कदम भारत द्वारा रूस से तेल खरीद को जारी रखने के कारण उठाया गया है। ट्रम्प का मानना है कि इससे अमेरिका के आर्थिक और रणनीतिक हित प्रभावित हो रहे हैं।

हालांकि अमेरिका के विदेश विभाग ने भारत को अब भी एक रणनीतिक साझेदार बताया है। विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ खुला और स्पष्ट संवाद चाहता है, लेकिन टैरिफ विवाद के चलते संबंधों में तनाव बना हुआ है।

पीएम सूर्यघर योजना से रायगढ़ जिले के 197 घर हो रहे रोशन

बिजली बिल से मिल रही राहत, बढ़ रही आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण में अहम योगदान

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई 'पीएम सूर्यघर दृ मुफ्त बिजली योजना' रायगढ़ जिले में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध हो रही है। इस योजना के अंतर्गत जिले में अब तक 197 घरों में सौर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे संबंधित परिवारों को बिजली बिल से मुक्ति मिली है और वे ऊर्जा उत्पादक बनकर आर्थिक रूप से भी सशक्त हो रहे हैं। स्थापित सौर संयंत्रों के माध्यम से प्रत्येक परिवार को प्रति माह 3,000 से 5,000 रुपये तक की सीधी बचत हो रही है। कई हितग्राही ग्रिड में अतिरिक्त बिजली भेजकर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। इससे न केवल घरेलू खर्च में कमी आई है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाई जा रही है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सार्थक पहल है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत विभिन्न क्षमताओं के सौर संयंत्रों पर शासन द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 1 किलोवाट संयंत्र से प्रति माह लगभग 120 यूनिट बिजली उत्पादन संभव है। इस पर 30,000 रूपए केंद्र सरकार एवं 15,000 रूपए राज्य सरकार, कुल 45,000 रूपए की सहायता उपलब्ध है। उपभोक्ता को लगभग 15,000 रूपए स्वयं वहन करना होता है। 2 किलोवाट संयंत्र से प्रति माह 240 यूनिट बिजली उत्पादन होता है, जिस पर कुल 90,000 रूपए (60,000 रूपए केंद्र से एवं 30,000 रूपए राज्य सरकार की ओर से) की सब्सिडी मिलती है। उपभोक्ता का अंशदान 30,000 रूपए है। 3 किलोवाट संयंत्र से प्रति माह 360 यूनिट बिजली उत्पादन संभव है, जिस पर 1,08,000 रूपए (78,000 रूपए केंद्र सरकार द्वारा तथा 30,000 रूपए राज्य सरकार) की सहायता दी जाती है। उपभोक्ता को केवल 72,000 रूपए वहन करना होता है, जो बैंक ऋण के माध्यम से भी प्राप्त किया जा सकता है।

ग्राम नंदेली निवासी श्री महेश्वर पटेल ने कुसमुरा उपसंभाग के अंतर्गत 5 किलोवाट क्षमता का सौर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किया है। वे इस क्षेत्र के पहले हितग्राही हैं जिन्होंने इस योजना के तहत सौर संयंत्र लगाया। श्री पटेल अब बिजली बिल से मुक्त होकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गए हैं। उनकी सफलता ने अन्य ग्रामीणों को भी इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का लाभ उपभोक्ताओं को पूरी तरह ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान किया जा रहा है। इच्छुक आवेदकपोर्टल या पीएम सूर्यघर मोबाइल ऐप, सीएसपीडीसीएल की वेबसाइट, मोर बिजली ऐप या टोल फ्री नंबर 1912 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उपभोक्ता अपने क्षेत्र के नजदीकी सीएसपीडीसीएल कार्यालय में संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उपभोक्ता ऑनलाइन वेंडर चयन कर सीधे आवेदन भी कर सकते हैं। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में इस योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के लिए विभिन्न स्थलों पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में खरसिया वितरण केंद्र अंतर्गत टाउन हॉल मैदान में शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 19 उपभोक्ताओं का पंजीयन किया गया। वहीं पुसौर वितरण केंद्र कार्यालय में भी योजना के अंतर्गत 24 उपभोक्ताओं का पंजीयन पूर्ण किया गया। यह योजना न केवल ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण और पर्यावरणीय सुधार की दिशा में भी एक प्रभावशाली पहल के रूप में उभर रही है।

जून 2026 से बंद होगा कुम्हारी टोल प्लाजा, सांसद बृजमोहन के प्रयासों को मिली बड़ी सफलता

नई दिल्ली/रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल के निरंतर प्रयासों का बड़ा परिणाम सामने आया है। केंद्र सरकार ने कुम्हारी टोल प्लाजा को जून 2026 से पूर्ण रूप से बंद करने की स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने स्वयं पत्र लिखकर श्री अग्रवाल को जानकारी दी है।

बृजमोहन अग्रवाल ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला छत्तीसगढ़वासियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इससे लोगों का समय, ईंधन और पैसा तीनों की बचत होगी।

जून 2026 तक पूर्ण होगा औरंगा-रायपुर-दुर्ग बाईपास

श्री अग्रवाल ने बताया कि भारतमाला परियोजना के तहत 92 किलोमीटर लंबे औरंगा-रायपुर-दुर्ग बाईपास का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जिसे जून 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके पूरा होते ही कुम्हारी टोल प्लाजा की उपयोगिता समाप्त हो जाएगी और इसे बंद कर दिया जाएगा। यह नया 6 लेन एक्सेस-नियंत्रित राजमार्ग दुर्ग, रायपुर और आरंग को जोड़ेगा, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि शहरों के बीच यातायात का दबाव भी कम होगा। केंद्र सरकार ने 15 अगस्त 2025 से फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए वार्षिक पास योजना लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत 3,000 में 200 यात्राएं (या 1 वर्ष तक) की जा सकेंगी। इससे निजी वाहन मालिकों को प्रति यात्रा मात्र 15 का खर्च पड़ेगा। यह योजना कार, जीप और वैन जैसे गैर-व्यावसायिक वाहनों पर लागू होगी।

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा व पार्क की सफाई, महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित

जगदलपुर। आज़ादी के अमृत महोत्सव की कड़ी में ''हर घर तिरंगा 2025'' अभियान के तहत आज शहर में स्वच्छता व देशभक्ति से ओतप्रोत एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद पार्क चौक स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा की साफ-सफाई एवं माल्यार्पण से हुई। तत्पश्चात पार्क परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर आमजनों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सभी ने देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर देशप्रेम का परिचय दिया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम नेताजी की प्रतिमा की विधिवत सफाई की गई। इसके उपरांत पार्क परिसर में श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने मिलकर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में नेताजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

देशप्रेम व राष्ट्रध्वज से जोड़ने का उद्देश्य

इस अवसर पर महापौर संजय पांडे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा बीते कुछ वर्षों से 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर यह कार्यक्रम इस वर्ष भी जनभागीदारी के साथ प्रारंभ हुआ है। इसका उद्देश्य आम नागरिकों को राष्ट्रध्वज, राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम से जोड़ना है। यह आयोजन आजादी के संघर्ष को स्मरण कर हमें अपने कर्तव्यों की याद दिलाता है। महापौर ने आगे बताया कि यह अभियान एक पखवाड़े तक लगातार चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत शहर के विभिन्न स्थानों पर जन जागरूकता, रैली, विभिन्न कार्यक्रम व स्वच्छता अभियान आयोजित किए जाएंगे।

उपस्थित गणमान्य नागरिक

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्षदगण एवं नागरिक मौजूद रहे। महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, सुबीर नंदी, एमआईसी सदस्य लक्ष्मण झा, निर्मल पाणिग्रही, संजय विश्वकर्मा, त्रिवेणी रंधारी, पार्षद पितामह नायक, हरीश पारेख, यशवंत ध्रुव, गजेंद्र ठाकुर, दिलीप दास, आशा साहू, पारुल बोथरा, उर्मिला यादव, गिरिजा गुप्ता, श्रीधर ओझा, सुधा मिश्रा, लक्ष्मी कश्यप, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर सुधीर मंडल, जीपी यादव, दिनेश सराफ, एचवाय कुकड़े, नलिन शुक्ला, धीरज कश्यप, सुलोचना, राजपाल कसेर, हेमंत श्रीवास, दामोदर कुमार, शक्ति बेल, रुपेश बिजोरा, नवीन बोथरा, शशिनाथ पाठक, दिलीप सुंदरानी, सुप्रियो मुखर्जी, मनोज ठाकुर, विवेक जैन, रंजीत पानीग्राही, किरण दीवान, वीरेंद्र जोशी, पप्पू वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सफाई मित्र व स्थानीय लोग भी सम्मिलित हुए।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में महिला विधायकों में सबसे अधिक सवाल पूछने वाली नेता बनीं अंबिका मरकाम

धमतरी । छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र में विपक्ष की तेजतर्रार और मुखर विधायक अंबिका मरकाम ने एक नई मिसाल कायम की है। हाल ही में द रियल पोस्ट द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, वे महिला विधायकों में सबसे अधिक सवाल पूछने वाली विधायक बनी हैं। उन्होंने सत्र के दौरान कुल 196 सवाल पूछे, जो किसी भी महिला विधायक द्वारा पूछे गए सवालों में सर्वाधिक हैं। उनकी यह सक्रियता यह दर्शाती है कि विपक्ष में रहकर भी जनता की आवाज को बुलंदी से उठाया जा सकता है।

अंबिका मरकाम ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, रोजगार, ग्रामीण विकास और आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल पूछकर सरकार से जवाबदेही तय करने का काम किया है। उन्होंने विधानसभा में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली, जल आपूर्ति की समस्याएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याएं, स्कूलों की स्थिति और महिला सुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों पर सरकार से तीखे सवाल किए। उनकी यह प्रतिबद्धता उन्हें न केवल विपक्ष की मजबूत आवाज़ बनाती है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। अंबिका मरकाम का यह प्रदर्शन युवा महिलाओं को राजनीति में आने और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। विधानसभा में उनकी भागीदारी यह सिद्ध करती है कि वे केवल एक प्रतिनिधि नहीं, बल्कि जनता की सच्ची पहरेदार हैं।

लापता नाबालिग बच्ची को खोजने एसएसपी को ज्ञापन दिया कन्हैया अग्रवाल ने

एसएसपी डॉ. उमेद सिंह ने दिए तत्काल टीम भेजने के निर्देश

रायपुर । छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के साथ चंद्रशेखर आजाद वार्ड गोकुल नगर की रहने वाली बच्ची के परिजनों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह से भेंट कर 22 दिनों से लापता नाबालिक बच्ची को ढूंढने में बढ़ती जा रही लापरवाही की शिकायत करते हुए तत्काल बच्ची की तलाश करने हेतु मांग की।

कांग्रेस महामंत्री द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेद सिंह ने तत्काल थाना प्रभारी और संबंधितों को निर्देश दिए की संभावित स्थलों पर तुरंत टीम रवाना की जाए। उल्लेखनीय है कि नाबालिग बच्ची को गुमशुदा हुए 22 दिन हो गए हैं। टिकरापारा थाने में मामला दर्ज है, बड़े अफ सरों के दफ्तर में भी आवेदन दिए हैं लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है ।जिस लड़के के साथ वह लड़की गायब होने की संभावना बताई जाती है उसका मोबाइल चालू है , और उसी दिन से वह भी घर से बाहर है । टिकरापारा थाने में बच्ची के परिजनों द्वारा फोन नंबरों की भी जानकारी दी गई पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है वह चिंताजनक मामला है। लड़की मात्र 13 वर्ष की है। श्री अग्रवाल ने कहा कि मजदूरी करके घर पालने वाली गरीब महिला अपनी बिटिया की तलाश में दफ्तर-दफ्तर भटक रही है। 22 दिनों बाद भी कोई पता शाजी नहीं हो पाना पुलिसिया कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह है। आज हमने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय से भेंट कर घटना के संदर्भ में पूरी जानकारी देकर तत्काल इस मामले में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने हेतु निवेदन किया। एसपी में मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल थाना प्रभारी और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

की बच्ची की तलाश के लिए आज ही संभावित स्थानों पर पुलिस टीम रवाना की जाए और इस मामले में किसी तरह की कोई कोताही ही ना बढ़ती जाए। प्रतिनिधि मंडल में महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव श्रीमती सुषमा ध्रुव, असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक, सामाजिक कार्यकर्ता शिफा अली (निक्की) एवं बच्ची के परिजन शामिल थे।

प्रभारी सचिव श्री भीम सिंह ने फरसगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

पालक शिक्षक सम्मेलन में विद्यार्थियों और अभिभावकों से किया संवाद

रायपुर। कोंडागांव जिले के प्रभारी सचिव श्री भीम सिंह ने आज कोंडागांव जिले के प्रवास के दौरान फरसगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। इस दौरान मेडिकल स्टॉफ दवाईयों की उपलब्धता, चिकित्सकीय उपकरण और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जांच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही मेगा पालक शिक्षक सम्मेलन में भी सम्मिलित हुए। इस दौरान कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना भी उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव श्री सिंह ने ओपीडी, पीएनसी वार्ड, होम्योपैथी एवं नेत्र विभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान दवाई स्टॉक रूम का निरीक्षण करते हुए दवाईयों के उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने बीएमओ को सख्त निर्देश दिया कि उपलब्ध दवाईयों की पंजी में नियमित रूप से संधारण सुनिश्चित करें। साथ ही एक्सपायरी होने वाले दवाईयों की भी निगरानी करते रहें। उन्होंने सर्प दंश और रेबीज के दवाईयों की भी पर्याप्त उपलब्धता के निर्देश दिए। पी एन सी वार्ड में निरीक्षण के दौरान माताओं से चर्चा की और भोजन सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और स्टाफ की उपस्थिति को लेकर निर्देश दिए। प्रभारी सचिव श्री सिंह ने केशकाल चिकित्सालय में ओटी की व्यवस्था और ब्लड की उपलब्धता के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया।

प्रभारी सचिव श्री भीम सिंह ने फरसगांव के शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय और पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित मेगा पालक शिक्षक शिविर में भी सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और उनके पालकों से सीधा संवाद कर विद्यालय में पढ़ाई और छात्रावास की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यह सीखने का समय है। जीवन में कामयाब होने के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। सभी विद्यार्थी मेहनत के साथ पढ़ाई करें और एक लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें, सफलता अवश्य मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अखबार बढ़ने की सलाह दी, जिससे वे समसामयिक घटनाओं से अद्यतन रहें, साथ ही जिज्ञासु बनें। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षक समय पर आएं और अच्छे से अध्यापन कार्य कराएं। उन्होंने पालकों से भी कहा कि अपने बच्चों की पढ़ाई के बारे में नियमित जानकारी लेते रहें। कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पालकगण अपने बच्चों के टेस्ट रिपोर्ट को नियमित चेक करें। बच्चों से कहा कि हैंड राइटिंग पर ध्यान दें और ठीक नहीं होने पर सुधारने का प्रयास करें।

पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने बिलासपुर में ली समीक्षा बैठक, बेहतर पुलिसिंग के लिए दिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम ने हाल ही में बिलासपुर जिले का दौरा कर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें कानून व्यवस्था की स्थिति, अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग की कार्यप्रणाली और सामुदायिक सहभागिता की व्यापक समीक्षा की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिलासपुर रजनेश सिंह ने जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर नियंत्रण, डिटेक्शन, विजिबल पुलिसिंग और सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया। बैठक में सकरी बटालियन, रेडियो कार्यालय, हाई कोर्ट एवं एयरपोर्ट सुरक्षा, विशेष आसूचना शाखा, अभियोजन कार्यालय तथा रेंज एमटी शाखा के प्रभारी अधिकारियों ने भी भाग लिया और अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई। पुलिस महानिदेशक महोदय ने इन सभी इकाइयों की कार्यप्रणाली की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. संजीव शुक्ला (आईपीएस), बटालियन कमांडेंट मनोज खिलाड़ी, विशेष शाखा की जोनल पुलिस अधीक्षक दीपमाला कश्यप, रेडियो एसपी पूजा कुमार (आईपीएस) सहित जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे।पुलिस महानिदेशक गौतम ने जिले में संचालित सामुदायिक पुलिसिंग कार्यक्रमों जैसे 'चेतना' और 'अभियान' को संस्थागत स्वरूप देने के निर्देश दिए। साथ ही फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली के उपयोग और प्रशिक्षण को प्राथमिकता देने, बीट सिस्टम को और प्रभावी बनाने, नए कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन, सीसीटीएनएस, ई-साक्ष्य और ई-समन के उपयोग को विवेचना में अधिकतम लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए। पुलिसकर्मियों के कल्याण हेतु शासन और पुलिस मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप समयबद्ध निर्णय लेने को कहा गया। उन्होंने थाना क्षेत्रों में घटित अपराधों की घटनास्थल पर प्रथम पर्यवेक्षण अधिकारी की तत्काल उपस्थिति सुनिश्चित करने, फरियादियों की सुनवाई के लिए तय व्यवस्था बनाने, लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग तथा सभी पुराने-नए प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए भी निर्देशित किया।

खेती में नवाचार से बदली किसान की तकदीर खीरे की बंपर पैदावार से हुई 2.50 लाख की आमदनी

खेती में नवाचार से बदली किसान की तकदीर

उद्यानिकी फसल अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हुए किसान सुरेश सिन्हा

शासन की योजनाओं से मिला संबल, खेती बनी लाभकारी व्यवसाय

रायपुर। उद्यानिकी फसल अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हुए किसान सुरेश सिन्हा उद्यानिकी फसल अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हुए किसान सुरेश सिन्हा परंपरागत खेती से हटकर नवाचार को अपनाने वाले राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम गातापार खुर्द के प्रगतिशील किसान श्री सुरेश सिन्हा आज कई किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन चुके हैं। धान के स्थान पर सब्जी की खेती करने के निर्णय ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। श्री सुरेश सिन्हा ने 5.5 एकड़ भूमि में खीरे की फसल लगाई, जिससे उन्हें अब तक लगभग 2 लाख 50 हजार रुपए की आमदनी हो चुकी है। खीरे की तोड़ाई का कार्य अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि उनका खीरा उत्तरप्रदेश के प्रयागराज, ओडिशा और कोलकाता जैसे शहरों में भेजा जा रहा है। वर्तमान में खीरे की बिक्री 15 से 20 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से हो रही है। श्री सिन्हा ने बताया कि परंपरागत धान की खेती की तुलना में सब्जी की खेती अधिक लाभदायक है और इसमें पानी की भी अपेक्षाकृत कम आवश्यकता होती है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर उन्होंने अपने खेतों में पॉली हाउस की स्थापना की, जिसके माध्यम से संरक्षित खेती के अंतर्गत उन्होंने शिमला मिर्च की फसल लेकर 3 लाख 50 हजार रुपए की आमदनी प्राप्त की। पॉली हाउस की कुल लागत 34 लाख रुपए रही, जिसमें से उन्हें 17 लाख रुपए का अनुदान शासन से प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त सब्जियों के भंडारण हेतु उन्होंने पैक हाउस का निर्माण किया, जिसके लिए शासन की ओर से 2 लाख रुपए की अनुदान राशि प्राप्त हुई। कृषि यंत्रों की खरीद में भी शासन से सहायता मिली है, जिसमें दवाओं के छिड़काव के लिए स्ट्रिप मशीन पर उन्हें 50 प्रतिशत तक अनुदान प्राप्त हुआ है।

यातायात पुलिस बिलासपुर के साथ नागरिक संगठनों ने जगाई यातायात जागरूकता का अलख

बिलासपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण एवं निरीक्षण में यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा लगातार सरल, सुगम, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारू यातायात प्रबंधन हेतु यातायात पुलिस बिलासपुर के अधिकारियों-कर्मचारियों के माध्यम से निरंतर विभिन्न बहु आयामी और विविधतापूर्ण प्रयास की जा रही है।

इसी क्रम में महापर्व रक्षा बन्धन पवित्र के अवसर पर नांगरिक संगठनों एवं संस्थाओं ने आम नागरिको में समस्त भाइयों को वाहन चलाते हुए बहनों के रक्षा के संकल्प के साथ ही स्वयं की सुरक्षा हेतु सदैव यातायात नियमो का पालन करने हेतु नसीहत देते हुए जागरुक किये। इस दौरान उन्होंने इस राखी रक्षा के साथ- सुरक्षा भी,करोगे तब बहनों की रक्षा- करोगे जब अपनी सुरक्षा, अगर हेलमेट को करोगे क्व4द्- तो यम राज करेंगे आपको ॥द्ब, की श्लोगन पोस्टर लेकर शहर के सभी चौक चौराहे और प्रमुख मार्गो में लोगों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया। समूह के सदस्यों के साथ यमराज के प्रतिरूप द्वारा भी लगातार विभिन्न चौक चौराहे पर लोगों को यातायात नियमों का पालन किए जाने हेतु आह्वान किया गया एवं यातायात नियमों का नहीं पालन किए जाने पर वैधानिक कार्यवाही हेतु तैयार रहने लोगों को हिदायत दी गई। वहीं यातायात नियमों की उल्लंघन पर जीवन संकट की स्थिति निर्मित करने वाले किसी भी लापरवाह वाहन चालकों को माफ नहीं किए जाने का संदेश प्रमुखता से दिया गया।

विदित हो कि यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा लगातार सरल सुगम सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित आवागमन हेतु विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं साथ ही नियमित रूप से लोगों को स्कूल, कॉलेज एवं सार्वजनिक जगहों पर जागरूकता कार्यक्रम करके व्यापक रूप से जागरूक करने का प्रयास भी किया जा रहा है इसके बावजूद भी कई लापरवाह वाहन चालकों के द्वारा यातायात नियमों के पालन नहीं कर ना सिर्फ स्वयं के लिए जोखिम की स्थिति निर्मित की जाती है अपितु अन्य लोगों के लिए भी खतरनाक परिस्थितियाँ निर्मित की जाती है।यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लापरवाह वाहन चालकों के कारण कई बार हादसा की स्थिति निर्मित हो जाती है इस बात को अत्यंत गंभीरता के साथ ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा लगातार विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, पुलिस के सहयोगियों, सहयोगी संगतहनो, यातायात मित्रों एवं प्रबुद्ध नागरिकों से लोगों को जागरूक करने हेतु सामाजिक एवं जन सरोकार रखते हुए समस्त जन मानस को यातायात नियमों के प्रति आगाह करने हेतु अपील की गई थी इसी क्रम में आज बिलासपुर के नांगरिक संगठन और यातायात पुलिस के द्वारा पूरे टीम के साथ शहर के सभी चौक चौराहे पर विशेष अभियान चलाकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति सजग संवेदनशील एवं गंभीर बनाए जाने विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कौशल से समृद्धि की ओर – युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर मुख्यमंत्री साय का विशेष जोर

दो से अधिक बार शराब तस्करी पर होगी संपत्ति जब्ती की कार्रवाई

उपमुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने विभागीय योजनाओं और नवाचारों की समीक्षा

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शीघ्र शुरू हो ओपीडी: उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज जगदलपुर स्थित जिला कार्यालय के प्रेरणा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जिले में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति दो से अधिक बार शराब या अन्य नशे की तस्करी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी संपत्ति जब्त करने की कानूनी कार्यवाही तत्काल आरंभ की जाए। उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों और दवा व्यापारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जगदलपुर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शीघ्र ओपीडी सेवा प्रारंभ करने को कहा, ताकि आम जनता को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकें।उपमुख्यमंत्री ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में कॉम्प्लेक्स निर्माण कर पंचायतों को स्वावलंबी बनाने का सुझाव दिया, जिससे पंचायतों को स्थायी राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने पंचायत सचिवों को अविवादित बंटवारे के मामलों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देने और जनजागरूकता हेतु मुनादी एवं होर्डिंग लगाने के निर्देश भी दिए। मिलेट्स उत्पादन करने वाले किसानों के उत्पाद को बाजार तक पहुँचाने की ठोस व्यवस्था बनाने तथा मक्का उत्पादक किसानों को स्प्रिंकलर एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ने की बात भी कही। बैठक में पंचायत विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, महतारी सदन, दीनदयाल अंत्योदय योजना, बिहान, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित हितग्राहियों को प्रथम किश्त के उपरांत आवास की प्रगति, ग्राम पंचायतों में पंजी संधारण की स्थिति, डीपीआरसी ट्रेनिंग सेंटर, स्वच्छ भारत मिशन तथा आगामी तीन माह की कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गृह विभाग के अंतर्गत अवैध शराब, सट्टा, जुआ, गोधन तस्करी, यातायात नियंत्रण, हिट एंड रन, मोटरयान अधिनियम की धाराओं पर की गई कार्रवाई, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन, गुम इंसानों के प्रकरण और एनडीपीएस एक्ट के मामलों की स्थिति की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, आयुष्मान कार्ड वितरण, मोबाइल हेल्थ वैन संचालन, जनऔषधि केंद्रों की उपलब्धता, सिकलसेल डायग्नोसिस, डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफकी स्थिति तथा आगामी तीन माह के लिए निर्धारित कार्ययोजना की समीक्षा की गई। वन विभाग द्वारा किए गए लाख उत्पादन, तेंदूपत्ता बोनस वितरण, चरण पादुका वितरण और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा के साथ-साथ कैंपा मद में दो वर्षों के आवंटन और व्यय की जानकारी भी ली गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, स्वस्थ लइका अभियान और नीति आयोग के सहयोग से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति की जानकारी भी बैठक में दी गई।

हॉफ बिजली योजना के खिलाफ, कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन, भाजपा कर रही जनता पर अत्याचार : दीपक बैज

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

रायपुर । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर पूरे प्रदेश के विभिन्न जिलों में बिजली बिल हॉफ योजना को बंद किए जाने के विरोध में धरना एवं प्रदर्शन किया गया। रायपुर में जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में धरना किया गया। कई स्थान पर बिजली हॉफ योजना को बंद किए जाने के विरोध में पुतला भी फूंका गया। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार आज राज्य सरकार द्वारा बिजली बिल हॉफ योजना बंद किए जाने के विरोध में बुढ़ापारा स्थित बिजली कार्यालय के सामने कांग्रेसजनों ने धरना दिया, इसमें प्रदेश अध्यक्ष गिरीश दुबे, कुलदीप जुनेजा, कन्हैया अग्रवाल एवं अन्य नेता शामिल हुए। पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा ने सरकार पर हमला बोला और कहा कि इससे मध्यम वर्गीय परिवारों पर बिजली बिल का भारी बोझ पड़ रहा है। भाजपा सरकार ने 400 यूनिट के उपयोग को घटाकर 100 यूनिट कर दिया है। नतीजा है कि बड़ी संख्या में उपभोक्ता बाहर हो गए है, स्मार्ट मीटर के नाम पर भी लूट मची हुई है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इस योजना को जनविरोधी बताते हुए कहा कि इससे आम लोगों को परेशानी हो रही है।

कांग्रेसजनों ने किया उग्र प्रदर्शन : जिला कांग्रेस कमेटी से मिली जानकारी के अनुसार बिजली बिल हाफ योजना बंद आक्रोश में पुतला फूंका। बिजली बिल हाफ आम लोगों को राहत देने वाली योजना रही है मध्यम वर्गीय एवं निम्न आय वर्ग के बिजली उपभोक्ता को शत प्रतिशत लाभ तथा उच्च वर्गीय उपभोक्ता को भी चार सौ यूनिट का आधा छूट हो जाता रहा है अब स्थिति ये है कि किसी भी उपभोक्ता को लाभ नहीं मिलेगा दिखावे के लिए 100यूनिट तक का 50यूनिट छूट की बात सरकार कर रही है लेकिन इसका लाभ किसी भी उपभोक्ता को लाभ नहीं मिलने वाला जिला कांग्रेस कमेटी जिला मुख्यालय के बाद सभी ब्लॉक मुख्यालयों में भी उग्र प्रदर्शन किया।

तुगलकी आदेश को बदलने की मांग : कांग्रेस की सरकार आम लोगों को राहत देने बिजली बिल हाफ का लाभ विषम परिस्थिति कोरोना काल में भी लोगों को बिजली हाफ का लाभ दिया था।

केन्द्रीय जेल रायपुर में शोएब ढेबर को 3 माह के लिए सभी प्रकार के मुलाकात से किया गया प्रतिबंधित

रायपुर। केन्द्रीय जेल रायपुर से शोएब ढेबर को सभी प्रकार के मुलाकात से आगामी तीन माह के लिए प्रतिबंधित किया गया है। शोएब ढेबर द्वारा जेल अधिकारियों की अनुमति के बिना जबरदस्ती मुलाकात कक्ष में प्रवेश कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, इस आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

जेल अधीक्षक रायपुर द्वारा जारी आदेश अनुसार शोएब ढेबर ने अधिवक्ता मुलाकात के समय संबंधित अधिकारियों द्वारा मना किए जाने के बावजूद जबरन प्रवेश किया, जिससे जेल के सुरक्षा और संचालन व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न हुआ। इस घटना की जांच उप जेल अधीक्षक एम.एन. प्रधान द्वारा की गई, जिनकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि शोएब ढेबर द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करना सत्य है। जेल नियमावली के नियम 690 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक द्वारा आदेश जारी करते हुए शोएब ढेबर को तीन माह तक किसी भी बंदी से किसी भी प्रकार की मुलाकात से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल परिसर की सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति रोकने हेतु कड़े कदम उठाए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में 290 ई-चार्जिंग स्टेशन स्थापित, संख्या बढ़ाने पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी और उपयोगिता को बढ़ावा देने तथा राज्य के विभिन्न स्थानों पर ई-वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट की स्थापना हेतु वाहन निर्माता कंपनियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ में कार्यरत विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने एवं चार्जिंग प्वाइंट की स्थापना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में करीब 290 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित हैं तथा राज्य में 1 लाख 49 हजार इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने के लिए पेट्रोल पंपों और इलेक्ट्रिक वाहन विक्रेताओं से चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में सहयोग देने का आग्रह किया गया है।

यह भी बताया गया कि राज्य के मुख्यतः रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर जिलों में लगभग 50 प्रतिशत चार्जिंग स्टेशन मौजूद हैं, जबकि शेष 50 प्रतिशत चार्जिंग स्टेशन अन्य जिलों में हैं। जिन जिलों में चार्जिंग स्टेशन की संख्या कम है, वहां प्राथमिकता के आधार पर चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा रही है। राज्य शासन द्वारा चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं, जिनमें चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने वाले हितग्राहियों को सब्सिडी प्रदान करने का प्रावधान शामिल है। राज्य में लगभग 600 इलेक्ट्रिक वाहन डीलर्स पंजीकृत हैं। उन्होंने अपने सभी शोरूम या विक्रय स्थलों पर अनिवार्य रूप से चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने के निर्देश दिए। समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न कंपनियों द्वारा 12,617 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की गई है, जो राज्य की ई-वाहन नीति में निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। यह रुझान बताता है कि ई-वाहनों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन मुख्य चुनौती पर्याप्त और सुलभ ई-चार्जिंग प्वाइंट की उपलब्धता बनी हुई है।बैठक में उपस्थित प्रमुख ई-वाहन निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे अपनी ई-कार बिक्री के साथ-साथ मोबाइल ऐप के माध्यम से ग्राहकों को चार्जिंग प्वाइंट का लोकेशन भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने चार्जिंग प्वाइंट की संख्या में वृद्धि से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

अवैध शराब के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अभियान चलाकर अवैध शराब बेचते तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 82 पाव देशी शराब जब्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस ने सतनाम नगर पुरैना निवासी भूपेन्द्र ठाकुर 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 27 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने आरोपी लीलाराम तारक 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास 35 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने ग्राम अमसेना में आरोपी मंजु बंजारे 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुनरीक्षित हॉफ बिजली बिल योजना से जिले के एक लाख 40 हजार से अधिक सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ता होंगे लाभान्वित

56 हजार 501 बीपीएल परिवारों को पूर्ववत मिलती रहेगी मुफ्त बिजली की सुविधा

महासमुन्द । छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने हेतु हॉफबिजली बिल योजना में संशोधन करते हुए अब 100 यूनिट तक की मासिक खपत पर 50 प्रतिशत रियायत देने का निर्णय लिया गया है। अधीक्षण अभियंता (वृत्त) श्री वाय. के. मनहर ने बताया कि पुनरीक्षित योजना से महासमुन्द जिले के लगभग एक लाख 40 हजार 393 सामान्य और कमजोर वर्ग के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। जिले के 56 हजार 501 बीपीएल परिवारों को पूर्ववत 30 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलती रहेगी, साथ ही वे हॉफबिजली बिल योजना के अन्य लाभों के भी पात्र बने रहेंगे।

इसी कड़ी में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को भी जिले में प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने पर उपभोक्ताओं को अधिकतम एक लाख 08 हजार तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। इनमें 2 किलोवॉट प्लांट पर 90 हजार तक सब्सिडी जिसमें 60 हजार केंद्र और 30 हजार राज्य सरकार द्वारा एवं 3 किलोवॉट प्लांट पर एक लाख 08 हजार सब्सिडी जिसमें 78 हजार केंद्र और 30 हजार रुपए राज्य सरकारी की ओर से सब्सिडी मिलती है। बैंक ऋण के लिए 6.3 से 6.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर आसान दस्तावेज़ों के साथ वित्तीय सहायता उपलब्ध है, जिसमें बिजली बिल, आधार, पैन कार्ड, वेंडर कोटेशन व फिज़िबिलिटी रिपोर्ट शामिल हैं।

अब तक जिले में 2759 आवेदन प्राप्त हुए हैं। 2006 उपभोक्ताओं ने वेंडर का चयन कर लिया है। 319 घरों में सोलर प्लांट स्थापित कर निरीक्षण पूर्ण हुआ है एवं 230 हितग्राहियों को सब्सिडी का भुगतान भी किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में बाजार में 3 किलोवॉट तक के डीसीआर सोलर सिस्टम की कीमत 1.8 लाख से 2.10 लाख तक है, जिसमें सब्सिडी घटाकर शेष राशि उपभोक्ताओं को वहन करनी होती है। कई बीमा कंपनियां सोलर प्लांट का बीमा भी उपलब्ध करा रही हैं। 2 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता वाले प्लांट से प्रतिमाह औसतन 240 यूनिट से अधिक बिजली का 25 साल तक कर सकते हैं, जो 03 अगस्त 2025 के पहले लागू हॉफबिजली योजना से मिलने वाली अधिकतम छूट 400 यूनिट पर 200 यूनिट रियायत से भी ज्यादा है। जिससे उपभोक्ता न सिर्फस्वयं की बिजली जरूरतें पूरी कर सकते हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर आय अर्जित भी कर सकते हैं। यह योजना न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा, आर्थिक बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर प्रेरित करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगा।

हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ी ग्राम बघमरा की महिलाओं की सशक्त पहल

आत्मनिर्भरता और देशभक्ति की मिसाल बनीं महिलाएं

रायपुर। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। बालोद जिले के ग्राम बघमरा में यह अभियान महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक मिसाल बन गया है। यहाँ की चार स्व-सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा झण्डा बनाने में जोर-शोर से जुटी हैं। अब तक इन महिलाओं द्वारा 6,000 से अधिक तिरंगे झंडे तैयार किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है।

यह पहल न केवल स्थानीय महिलाओं के लिए आजीविका का नया माध्यम बनी है, बल्कि राष्ट्रभक्ति और गौरव का भाव भी उनमें सशक्त रूप से जागृत कर रही है। इन समूहों द्वारा तैयार किए गए तिरंगे स्थानीय बाजारों, दुकानों और शासकीय कार्यालयों में स्थापित स्टॉल्स के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जय कपिलेश्वर समूह की श्रीमती तिजन बाई ने बताया कि, हमारी सिलाई मशीनें दिन-रात चल रही हैं। हर झंडे में हमारा प्रेम और देशभक्ति की भावना समाहित होती है। यह कार्य हमें आत्मनिर्भर बना रहा है और देशसेवा का गौरव भी प्रदान कर रहा है।

सहेली समूह की श्रीमती देवकी विश्वकर्मा ने कहा कि पहले हम छोटे-मोटे कार्यों पर निर्भर थे, लेकिन इस अभियान ने हमें एक नई पहचान दी है। तिरंगा बनाना केवल कार्य नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जुनून है। नवज्योति समूह की श्रीमती सरोजनी साहू ने गर्व के साथ बताया कि हमारी मेहनत से तैयार तिरंगे जब गाँव और जिले के घरों में लहराते हैं, तो आत्मगौरव की अनुभूति होती है। हमारा प्रयास है कि हर घर में तिरंगा फहराया जाए और हमारा गाँव इस अभियान में अग्रणी बने। इन समूहों द्वारा बनाए जा रहे तिरंगों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सिलाई मशीनों के माध्यम से महिलाएं राष्ट्रध्वज के तीन रंग केसरी, सफेद और हरे को संयोजित कर सटीकता के साथ तैयार कर रही हैं। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि महिला समूहों के द्वारा मेहनत से बनाए गए तिरंगे आपके घरों की शान बनेंगे।

महिलाओं से लोन की रकम लेकर शेयर मार्केट में दोगुना करने का झांसा देने वाली महिला गिरफ्तार

थाना आजाद चौक पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है

रायपुर। थाना आजाद चौक पुलिस ने एक बड़ी धोखाधड़ी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी महिला प्रेरणा शर्मा ने मोहल्ले की महिलाओं को विभिन्न बैंकों से लोन दिलाने का लालच देकर उनसे लाखों रुपये हड़प लिए थे।

मामला थाना आजाद चौक का है, जहां प्रार्थीया ज्योति यादव, निवासी घनश्याम मंदिर के पास हाण्डीपारा, ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि ब्राह्मणपारा निवासी आरोपी महिला प्रेरणा शर्मा पति संपन्न शर्मा उम्र 49 वर्ष, ने मोहल्ले की कई महिलाओं को लोन दिलाने में मदद करने का झांसा दिया। आरोपीया ने लोन की रकम अपने पास रखकर यह कहकर विश्वास दिलाया कि वह रकम शेयर मार्केट में लगाकर दोगुना करके वापस लौटा देगी। इसी झांसे में आकर प्रार्थीया ने 3,75,000 की लोन राशि आरोपीया को सौंप दी। जांच में सामने आया कि आरोपीया ने सिर्फ प्रार्थीया से ही नहीं, बल्कि मोहल्ले की कई अन्य महिलाओं से भी इसी तरह लाखों रुपये की ठगी की है। पीड़ितों की शिकायत पर थाना आजाद चौक में अपराध क्रमांक 221/2025, धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने विवेचना के दौरान आरोपी प्रेरणा शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। थाना आजाद चौक पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की जा रही है।

संपादकीय

देश की प्रगति के लिये किसान हित आवश्यक

अमेरिका टैरिफ संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों और मछुआरों को लेकर अपने एक भाषण में कहा कि हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है. भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा. उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं. पीएम मोदी ने आईसीएआर पूसा में एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाषण देते हुए कहा कि मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है. किसानों की आय बढ़ाना, खेती पर खर्च कम करना, आय के नए स्रोत बनाने के लक्ष्यों पर हम लगातार काम कर रहे हैं. हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है।

रक्षाबंधन का पवित्र पर्व

यह पवित्र रेशमी बंधन।

भेज रही हूं तुम्हें सीमा पर
यह पवित्र रेशमी बंधन
और मांग रही हूं एक
अटूट और साहसिक वचन,

इसे केवल रेशमी धागा
ना समझना मेरे भैया
यह हर बहन की, हर मां
की ,हर पत्नी की
अपने भाई से है आशा,

अपने बाहुबल और शक्ति से
जिस तरह तुम करते हो
स्त्रियों की बहनों की रक्षा
ठीक उसी तरह मेरे भैया।

सीमा पर देश की तुम
कठिन परिस्थितियों में
करना सर्वस्व सुरक्षा,

इस धरती भारत मां की
देश के मुकुट हिमालय की
तुम एक सच्चे प्रहरी की तरह
करते हो सुरक्षा और रक्षा,

एक वचन दो हम सब
बहनों के लिए
संपूर्ण देश की स्त्रियों के लिए
उसी तरह करना सुरक्षा।

प्रदेश की सीमा की करते हो रक्षा
इस पवित्र रेशमी बंधन को
बांध लेना तुम कलाई पर,
इसी कलाई से
मजबूती से करना देश की
संपूर्ण सुरक्षा ।

मेरे प्यारे भैया,
इन रेशमी धागों की आन रख लेना
देश के बाहुबल की शान रख लेना।
हम तो तुमसे सुरक्षित हैं मेरे भैया।
देश सीमा सुरक्षित कर लेना मेरे भैया।

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

भारतीय हथकरघा के लिए नवाचार और स्थायित्व के साथ भविष्य बुनना

गिरिराज सिंह
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

हथकरघा क्षेत्र भारत में सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और 3.5मिलियन से अधिक लोगों को आजीविका प्रदान करता है।स्थानीय बुनकरों द्वारा नैतिक रूप से निर्मित हथकरघा और दस्तकारी वस्त्र, बड़े पैमाने पर उत्पादित फास्ट फैशन का एक सार्थक विकल्प प्रस्तुत करते हैं।ऐसा करके, वे भारत की समृद्ध विरासत को आधुनिक विश्व के लिए एक व्यापक स्थिरता की कहानी में शामिल करते हैं।

टिकाऊ वस्त्र इको-सिस्टम के निर्माण के लिए ग्रामीण हथकरघा और हस्तशिल्प क्लस्टरों को सहायता देना महत्वपूर्ण है।ये क्लस्टर भारतीय शिल्पकला की उन जीवंत परम्पराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें परिवारों और समुदायों द्वारा पीढ़ियों से कायम रखा गया है।निजी क्षेत्र और सामाजिक उद्यमों ने इस क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में सराहनीय भूमिका निभाई है।उनका कार्य पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों के साथ नवाचार, स्थानीय स्रोत,रि-साईकिलिंग और अप-साईकिलिंग, तथा पारंपरिक प्रथाओं के साथ प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने तक फैला हुआ है।ये प्रयास सहयोग के माध्यम से कारीगर समुदायों को सशक्त बनाने, शिल्पकारों और डिजाइनरों के बीच साझेदारी बनाने, उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाने और कारीगरों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं।जापान के ओसाका में आयोजित विश्व एक्सपो 2025 और अमेरिका के सांता फे में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय लोक कला बाजार जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शिल्पकारों की हालिया भागीदारी उनकी अनुकूलनशीलता और वैश्विक अपील को दर्शाती है।

भारत सरकार अनेक योजनाओं और पहलों के माध्यम से वस्त्र पारिस्थितिकी तंत्र (टेक्सटाइल इको-सिस्टम) का समर्थन करती है।इनमें कच्चे माल की खरीद, करघों और सहायक उपकरणों आदि की खरीद के लिए वित्तीय सहायता, महिला सशक्तिकरण के लिए प्रोत्साहन, कौशल विकास कार्यक्रम तथा पारंपरिक हथकरघों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मार्केटिंग प्रयास शामिल हैं। पर्यावरण-अनुकूल और सर्कुलर प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देने, जैविक कच्चे माल तक पहुँच में सुधार लाने और नैतिक प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों ने हथकरघा बुनकरों के लिए अवसरों का काफी विस्तार किया है।'कौशल भारत' और 'डिजिटल भारत' जैसे अन्य कार्यक्रम कारीगरों को अपने कौशल को अपग्रेड करने और अपने कार्यस्थलों से सीधे बड़े बाजारों तक पहुंचने में सक्षम बना रहे हैं।

इस क्षेत्र के विकास को बनाए रखने के लिए हथकरघा परंपराओं का दस्तावेजीकरण और संरक्षण भी समान रूप से आवश्यक है।वस्त्र मंत्रालय के नेतृत्व में डिजिटल संग्रह, भारतीय वस्त्र एवं शिल्प कोष,पारंपरिक और समकालीन ज्ञान दोनों को संग्रहित करके इस उद्देश्य की पूर्ति करता है।यह मंच अनुसंधान डेटा, डिजाइनर और कारीगर प्रोफाइल, एक वर्चुअल संग्रहालय और डिजिटल प्रदर्शनियां उपलब्ध कराता है, जिससे यह विद्वानों, शिक्षार्थियों और शिल्प उत्साही लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन बन जाता है।

हथकरघा क्षेत्र को अधिक लक्ष्य-उन्मुख और लाभदायक बनाने के लिए व्यवसाय-केंद्रित रणनीति आवश्यक है।को-ऑप्टेक्स, बोयानिका अथवा टाटा ट्रस्ट द्वारा अन्तरान जैसे हथकरघा मार्केटिंग संगठनों की केस स्टडी से पता चलता है कि व्यवस्थित योजना, चाहे वह समितियों, सहकारी समितियों के प्रोत्साहन के माध्यम से हो अथवा गैर-लाभकारी संस्थाओं के साथ सहयोग के माध्यम से हो, हथकरघा बुनकरों की आय और आजीविका में महत्वपूर्ण सुधार ला सकती है।

इसे हासिल करने के कई तरीके हैं। पारंपरिक और आधुनिक, दोनों बाज़ारों के लिए नए डिज़ाइन विकसित करने के साथ-साथ पारंपरिक डिज़ाइनों को पुनर्जीवित करना, खासकर थीम-आधारित प्रदर्शनियों के ज़रिए, ग्राहकों को शिक्षित करने और माँग बढ़ाने में मदद कर सकता है।अंगवस्त्रम, वेष्टी और मुंडू जैसे उत्पादों को भी प्रासंगिक बने रहने के लिए विचारशील डिजाइन नवाचार की आवश्यकता होती है।वर्तमान आंकड़ों से पता चलता है कि केवल 22त्र हथकरघा बुनकर साड़ियां बनाते हैं और 19त्र अंगवस्त्रम और इसी तरह के उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे 59त्र ऐसे बुनकर बचते हैं जिन्हें घरेलू साज-सज्जा और वस्त्र सामग्री की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रशिक्षित और सक्रिय किया जा सकता है।आधुनिक रुचियों के अनुरूप ढलते हुए, भारतीय हथकरघा को परिभाषित करने वाले अद्वितीय क्षेत्रीय कौशल और तकनीकों को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।जैविक फाइबर, प्राकृतिक रंगों और टिकाऊ सामग्रियों के उपयोग से हथकरघा उत्पादों का मूल्य और आकर्षण और अधिक बढ़ सकता है।

वस्त्र मंत्रालय संत कबीर और राष्ट्रीय हथकरघा पुरस्कार जैसे पुरस्कारों के माध्यम से बुनकरों के योगदान को सक्रिय रूप से मान्यता प्रदान कर रहा है और उन्हें पुरस्कृत कर रहा है।हाल के वर्षों में, नई श्रेणियां शुरू की गई हैं, जैसे कि महिला बुनकरों, जनजातीय कारीगरों, दिव्यांग बुनकरों, नवोन्मेषी उत्पादक समूहों और हथकरघा के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने वाले डिजाइनरों के लिए पुरस्कार।इसमें एक उल्लेखनीय बात यह है कि युवाओं को युवा बुनकर पुरस्कार भी दिया जाता है, जोकि 30 वर्ष से कम आयु के ऐसे कारीगरों को दिया जाता है, जिन्होंने पारंपरिक तकनीकों में निपुणता प्राप्त कर ली है तथा नवाचार अथवा उद्यमिता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हैं।ये पुरस्कार न केवल प्रतिष्ठित हैं बल्कि पारदर्शी और लोकतांत्रिक भी हैं, तथा इनके साथ नकद पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी दिए जाते हैं।संत कबीर, राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार विजेताओं को आजीवन 8,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है।इसका उद्देश्य हथकरघा के क्षेत्र में नवाचार, विशेष रूप से ऐसी तकनीकों और सौंदर्यबोध को बढ़ावा देना है, जिनकी मशीनों अथवा पावरलूमों द्वारा नकल नहीं की जा सकती है।

भारतीय हथकरघा उद्योग का स्थायित्व बनाए रखने के लिए परंपरा और नवाचार दोनों को अपनाने की आवश्यकता है।भारत कपास, रेशम, ऊन, जूट और नारियल के रेशों जैसे प्राकृतिक फाइबर से समृद्ध है, और यहाँ बाँस, केले के फाइबर, हेम्प और मिल्कवीड जैसी नई सामग्रियों की खोज तेज़ी से हो रही है। कृषि अपशिष्ट की एक बड़ी मात्रा भी अभी तक पूरी तरह से उपयोग में नहीं आ पाई है।इस प्रचुरता के बावजूद, वास्तव में टिकाऊ उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर यार्न और वस्त्र प्रसंस्करण को मजबूत करने की अभी भी आवश्यकता है।

वस्त्र क्षेत्र में उद्यमों के सर्कुलर उत्पादन में तेजी आ रही है। वर्तमान समय में भारत की गहन भौतिक संस्कृति के बारे में जागरूकता बढ़ रही है,यह केवल यार्न और फैब्रिक में ही नहीं, बल्कि परिधानों के सहायक उपकरणों में भी बढ रही है, जिनका पर्यावरणीय प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जा रहा है।बचे हुए कपड़ों और धागों का उपयोग करके बनाए गए पुनर्चक्रित संग्रह लोकप्रिय हो रहे हैं, जो पारंपरिक, टिकाऊ प्रथाओं के पुनरुद्धार में योगदान दे रहे हैं।यह आंदोलन पर्यावरण के प्रति जागरूक फैशन की ओर एक व्यापक वैश्विक बदलाव को दर्शाता है।

आज, तेज़ी से बढ़ते शहरी प्रवास और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरे के साथ, पारंपरिक बुनकर की अपने करघे पर भूमिका प्रतीकात्मक से कहीं ज़्यादा बढ़ गई है,अबयह हरित तकनीक और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सशक्त उदाहरण बन गई है। भारत की हथकरघा विरासत एक ऐसा मार्ग प्रशस्त करती है जो पर्यावरण और शिल्प से जुड़े लोगोंका सम्मान करती हैऔर देश को ज़िम्मेदार एवं नैतिक फ़ैशन के क्षेत्र में अग्रणी बनाती है।

यह निजी विचार है।

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर– बातचीत से पहले दबाव बनाने की कोशिश या बड़ी लड़ाई का संकेत

– संतोष कुमार पाठक
लेखक वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफभारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों– भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ(50 प्रतिशत) लग गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफलगा दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है।

ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफको लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि,÷हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं।÷

भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, ÷हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।÷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ÷हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।÷

इन तमाम बयानों से यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि टैरिफकी यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग कि है भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बढ़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफपर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे।

भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत-चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत के लिए सही मायनों में यह आपदा में अवसर का प्रतीक है और अगर हमने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सही तरीके से अपना दांव चला तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई रोक नहीं पाएगा।

यह निजी विचार है।

देश और बहनों की सुरक्षा के वचन का महापर्व रक्षाबंधन।
(भाइयों के दीर्घायु होने की कामना का पर्व)

संजीव ठाकुर,

बहनें अपनी भाइयों की कलाई में ÷ओम येन बद्धो बलि राजा दानवेंद्रो महाबलः, तेन त्वामभी बंध्यनामी रक्षे मा चल मा चल÷ का पवित्र पाठ करते हुए रक्षा सूत्र भाइयों की कलाई पर भाई के दीर्घजीवी होने की कल्पना करके बांधती हैं।भारत न सिर्फ विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है बल्कि भारत विविध संस्कृतियो संस्कारों और संप्रदायों के विभिन्न त्योहारों का देश भी है इसीलिए यह कहा जाता है की अनेकता में एकता भारत की पूंजी है। भारत त्योहारों का देश है जहां विभिन्न संस्कृतियां, धर्म संप्रदाय एक साथ फल फूल रहे हैं और रक्षाबंधन त्यौहार भी भाई बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन ऐसा एक त्यौहार है जो धर्म संप्रदाय संस्कृतियों की सभी दीवारों को तोड़कर सभी त्योहारों के बीच एक अनूठा स्थान रखता है। रक्षाबंधन अपने प्रेमभाव तथा सांस्कृतिक मूल्यों के कारण देशभर में बड़े उत्साह से मनाया जाता है और हर वर्ष शुभ मुहूर्त में बहन अपने भाई की कलाई में रखी बांधकर अपनी तथा देश की सीमाओं की सुरक्षा का आश्वासन चाहती है और अपने भाई की दीर्घायु होने की कामना करते हुए बहनें इस पवित्र त्योहार को मनाती हैं।

इस श्रावण पूर्णिमा 2023 की शुरुआत 30 अगस्त की सुबह 11:27 से होकर 31 अगस्त को सुबह 7:35 तक रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जा सकता है। वैसे भी रक्षाबंधन त्यौहार भाई-बहन के बीच प्यार बंधन को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है यह एक ऐसा त्यौहार है जो पूर्णिमा के दिन ही मनाया जाता है हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है रक्षाबंधन का त्यौहार देश के भाइयों और बहनों के बीच प्यार को बढ़ता है नियंत्रित करता है। भाई और बहन के बीच संबंध वास्तविकता में और साधारण और विलक्षण होते हैं इन्हें शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता भाई बहन का रिश्ता अतिविश्वसनीय है रक्षाबंधन एक प्रशंसनीय, सुंदर बंधन है। जिसे पूरी दुनिया में भारतवासी बड़ी सादगी सदा धूमधाम से बनाते हैं। हिंदू समाज में ऐसी अनेक प्रथाएं हैं जो सदियों से चली आ रही है उन्हें समाज आज भी मानता और यही परंपराएं हमारी संस्कृति की धरोहर भी हैं। इन प्रथाओं में कुछ-कुछ कुप्रथाएं भी शामिल थी जैसे बाल विवाह ,नरबलि, सती प्रथा जिसे समाज ने नकार कर अलग कर दिया। इसलिए रक्षाबंधन का त्यौहार एक ऐसी प्रथा है जो हम सबको परस्पर जोड़ती है इसीलिए आज भी पूर्ण हर्ष के साथ मनाते हैं स्पष्ट है कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व हमें रिश्तो का मन करना सिखाता है ताकि हम कमजोर वर्ग तथा देश की सीमा बाहरी आक्रमण कारियों से बचाकर रखें।

रक्षाबंधन के इतिहास में यदि एक दृष्टि डालें तो अनेक पौराणिक कथाएं भी इसकी साक्षी रही है। कई इतिहासकार इसे कृष्ण की पौराणिक कहानी के साथ इस त्यौहार के संबंध का वर्णन करते हैं कहा जाता है कि जब भगवान कृष्ण जब पतंग उड़ाते समय धागे से उनकी कलाई भूल से कट गई थी तब द्रौपदी ने इसे देखकर साड़ी के पल्लू को चीर कर उनके रक्त से बहते हुए घाव पर बांध दी थी उनके इस इशारे को समझ कर श्री कृष्ण ने उनकी रक्षा का वचन दिया और श्री कृष्ण ने द्रोपदी की इस रक्षा के वचन को निभाया भी था। इतिहासकार इसे इतिहास से भी जोड़ते हैं मेवाड़ की रानी कर्णावती पर जब 1535 में बहादुर शाह जफर ने आक्रमण कर दिया था तब मेवाड़ की रानी कर्णावती ने अपनी राज्य की रक्षा के लिए मुगल बादशाह हुमायूं को राखी बेचकर भाई बनाकर मेवाड़ की रक्षा हेतु वचन मांगा था। मेवाड़ की रानी कर्णावती क्योंकि खुद एक बड़ी वीरांगना थी तथा बहादुर शाह का मुकाबला करने के लिए वह खुद मैदान में आ गई थी हुमायूं ने रक्षाबंधन की गरिमा को रखते हुए अपनी सेना मेवाड़ की रानी की मदद के लिए भी भेजी थी। रक्षाबंधन के संदर्भ में अनेक प्रसंग इतिहास तथा वर्तमान में प्रचलित है और वास्तव में रक्षाबंधन भाइयों तथा बहनों के बीच रक्षा तथा स्नेह के बंधन के बीच बड़ी ही पवित्रता से मनाया जाता है । रक्षाबंधन की रक्षा के लिए भाई अपनी जान की परवाह न करते हुए बहनों की रक्षा के लिए एवं देश की सीमा तथा निशक्तजनों की रक्षा के लिए कटिबंध रहते हैं। भारत भूमि में ऐसे अनेक त्यौहार भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म की रक्षा हेतु मनाए जाते रहे हैं और मनाए जाते रहेंगे भारत की पवित्र भूमि को नमन प्रणाम।

टेक होम राशन के लिए पंजीकृत 75.12 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों के लिए फेस कैप्चरिंग और ई-केवाईसी का कार्य पूरा किया जा चुका है

पीआईबी

15वें वित्त आयोग के तहत, कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान और किशोरियों (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 14-18 वर्ष की आयु) के लिए योजना जैसे विभिन्न घटकों को मिशन सक्षम आंगनवाड़ी तथा पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के अंतर्गत शामिल किया गया है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जहाँ विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की है। यह मिशन एक सार्वभौमिक स्व-चयनित व्यापक योजना है जहाँ किसी भी लाभार्थी के लिए पंजीकरण और सेवाएँ प्राप्त करने में कोई प्रवेश बाधा नहीं है। इस मिशन के अंतर्गत, बच्चों (6 माह से 6 वर्ष तक), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों को जीवन चक्र दृष्टिकोण अपनाकर कुपोषण के

पीढ़ी-दर-पीढ़ी चक्र को तोड़ने हेतु पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। पूरक पोषण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम की अनुसूची-द्वद्व में निहित पोषण मानदंडों के अनुसार प्रदान किया जाता है। इन मानदंडों को जनवरी 2023 में संशोधित किया गया है। पुराने मानदंड काफी हद तक कैलोरी-विशिष्ट थे; तथापि, संशोधित मानदंड आहार विविधता के सिद्धांतों के आधार पर पूरक पोषण की मात्रा और गुणवत्ता दोनों के संदर्भ में अधिक व्यापक और संतुलित हैं जो गुणवत्ता वाले प्रोटीन, स्वास्थ्यवर्धक वसा और सूक्ष्म पोषक तत्व प्रदान करते हैं। शुरूआत में, फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) मॉड्यूल को अगस्त 2024 में प्रायोगिक तौर पर लागू किया गया था। इसे दिसंबर 2024 में वैकल्पिक आधार पर पूरे भारत में लागू किया गया था। तब से, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कर्तव्यधारकों को लाभार्थियों को चेहरे की पहचान करने और आधार डेटाबेस के साथ सत्यापित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। 1 जुलाई 2025 से इसे पात्र अंतिम लाभार्थी तक टेक-होम राशन की प्रदायगी सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया है। एफआरएस मॉड्यूल को पोषन ट्रैकर एप्लिकेशन के भाग के रूप में तैयार किया गया है। आधार पहचान के माध्यम से लाभार्थी का सत्यापन करने के लिए, लाभार्थी की लाइव फोटो को कैप्चर करने के साथ-साथ ईकेवाईसी किया जाता है। पोषण ट्रैकर पर यह ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया लाभार्थी के जीवनकाल में एक बार की जाती है। मासिक आधार पर टेक-होम राशन का लाभ उठाने के लिए, फेस मैचिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में की जा सकती है तथा दुबारा ईकेवाईसी की जरुरत नहीं होती है। कम डिजिटल कनेक्टिविटी वाले क्षेत्रों को देखते हुए ऑफलाइन पद्धति शुरू की गई है। फेसिअल रिकॉग्निशन फीचर लो वर्जन एंड वाले फ़ोनों में भी उपलब्ध करायी गई है। 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए बाल आधार में कोई बायोमेट्रिक डेटा नहीं होता है; इसलिए, 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए, माता/पिता/अभिभावक का एफआरएस किया जा रहा है, न कि बच्चे का।

5 अगस्त 2025 तक, टेक होम राशन (टीएचआर) के लिए पंजीकृत 4.91 करोड़ पात्र लाभार्थियों में से 3.69 करोड़ टीएचआर लाभार्थियों का फेस कैप्चरिंग और ई-केवाईसी (लगभग 75.12 प्रतिशत) पूरा हो चुका है।

एनईजीडी राज्य समन्वयकों द्वारा नियमित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा, तकनीकी कठिनाइयों को समझने और उनका समाधान करने के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों द्वारा क्षेत्रीय दौरे और राज्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें भी की गई हैं।

कैबिनेट ने 2157 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर तमिलनाडु में 4-लेन मरक्कनम-पुडुचेरी राजमार्ग (एनएच-332ए) के निर्माण को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने तमिलनाडु में मरक्कनम- पुडुचेरी (46 किलोमीटर) 4-लेन राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का विकास हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) के तहत किया जाएगा, जिसकी कुल पूंजीगत लागत 2,157 करोड़ रुपये होगी।

वर्तमान में, चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपट्टिनम के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 332ए (एनएच-332ए) और संबंधित राज्य राजमार्गों पर निर्भर है, जहां यातायात की अधिकता के कारण, विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों और गलियारे वाले प्रमुख कस्बों में, काफी भीड़भाड़ रहती है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, यह परियोजना मरक्कनम से पुडुचेरी तक लगभग 46 किलोमीटर लंबे एनएच-332ए को 4-लेन में अपग्रेड करेगी। इससे मौजूदा गलियारे पर भीड़भाड़ कम होगी, सुरक्षा में सुधार होगा और चेन्नई, पुडुचेरी, विलुप्पुरम और नागपट्टिनम जैसे तेजी से बढ़ते शहरों की आवागमन संबंधी जरूरतें पूरी होंगी।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर नई दिल्ली में आईटी कॉन्क्लेव 2025 के उद्घाटन सत्र में।

बादल फटने से प्रभावित धराली से निकाले गए लोगों को लेकर एक हेलीकॉप्टर उत्तरकाशी के मातली पहुंचा।

महिला हथकरघा बुनकरों के कल्याण हेतु योजनाएं

पीआइबी

भारत सरकार का वस्त्र मंत्रालय हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने और महिला बुनकरों सहित देश भर में हथकरघा बुनकरों के कल्याण के लिए (i) राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और (ii) कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) जैसी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को लागू कर रहा है। इन योजनाओं के तहत, पात्र हथकरघा एजेंसियों/बुनकरों को कच्चे माल, उन्नत करघे और सहायक उपकरण की खरीद, सौर प्रकाश, वर्कशेड के निर्माण, कौशल विकास और क्षमता निर्माण के लिए समर्थ प्रशिक्षण, उत्पाद और डिजाइन विकास, तकनीकी और सामान्य बुनियादी ढांचे, उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए घरेलू/विदेशी बाजारों में हथकरघा उत्पादों के विपणन, बुनकर मुद्रा योजना के तहत ऋण, सामाजिक सुरक्षा, पुरस्कृत बुनकरों को जरूरत आधारित वित्तीय सहायता, हथकरघा श्रमिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन योजनाओं के तहत महिला हथकरघा बुनकरों के लिए कोई अलग प्रावधान नहीं है। पिछले 3 वर्षों के दौरान समर्थ योजना के अंतर्गत कुशल महिला हथकरघा बुनकरों का राज्यवार विवरण नीचे दिया गया है। वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा ने आज राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से निगरानी और हस्तक्षेप कर रहा है

बारिश के कारण दिल्ली में टमाटर की कीमतों में अस्थायी रूप से उछाल आया है, लेकिन अखिल भारतीय औसत कम बना हुआ है

प्याज और आलू के अधिक उत्पादन के साथ ही सरकारी बफर स्टॉक से कीमतों में निरंतर स्थिरता बनी रहती है

पीआईबी - चालू कैलेंडर वर्ष के दौरान खाद्य वस्तुओं की कीमतें काफी हद तक स्थिर और नियंत्रित रही हैं। आज तक, केंद्र सरकार के उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता कार्य विभाग की ओर से निगरानी की जाने वाली अधिकांश वस्तुओं की कीमतें साल-दर-साल आधार पर या तो स्थिर या घटती प्रवृत्ति का प्रदर्शन कर रही हैं। जुलाई 2025 में घर पर बनी थाली की कीमत में 14 प्रतिशत की कमी इस महीने खाद्य मुद्रास्फीति में निरंतर कमी को दर्शाती है।

देश भर के विभिन्न केंद्रों पर टमाटर की खुदरा कीमतें किसी बुनियादी मांग-आपूर्ति असंतुलन या उत्पादन में कमी के बजाय अस्थायी स्थानीय कारकों से प्रभावित हैं। इस संदर्भ में, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) 4 अगस्त 2025 से आज़ादपुर मंडी से टमाटर खरीदकर उपभोक्ताओं को न्यूनतम मार्जिन पर बेच रहा है। एनसीसीएफने पिछले वर्षों में भी इसी तरह की पहल की थी। अब तक, एनसीसीएफने खरीद लागत के आधार पर 47 रुपये से 60 रुपये प्रति किलोग्राम के खुदरा मूल्यों पर 27,307 किलोग्राम टमाटर बेचे हैं। टमाटर की खुदरा बिक्री एनसीसीएफके नेहरू प्लेस, उद्योग भवन, पटेल चौक और राजीव चौक स्थित स्टेशनरी आउटलेट्स के साथ-साथ शहर भर में विभिन्न स्थानों पर संचालित 6-7 मोबाइल वैन के माध्यम से की जा रही है। दिल्ली में टमाटर का वर्तमान औसत खुदरा मूल्य 73 रुपये प्रति किलोग्राम है। इस महंगाई की वहज मुख्य रूप से जुलाई के अंतिम सप्ताह से देश के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में हुई भारी बारिश है। इस मौसम संबंधी व्यवधान के कारण जुलाई के अंत तक कीमतें 85 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गईं। हालांकि, पिछले सप्ताह आज़ादपुर मंडी में दैनिक आवक में सुधार और स्थिरता के साथ, मंडी और खुदरा कीमतों में गिरावट शुरू हो गई है। इसके विपरीत, चेन्नई और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों में, जहां हाल के हफ़्तों में असामान्य मौसम की स्थिति नहीं देखी गई है, कीमतों में ऐसी कोई वृद्धि नहीं देखी गई है। चेन्नई और मुंबई में टमाटर की वर्तमान औसत खुदरा कीमतें क्रमशः 50 रुपये प्रति किलोग्राम और 58 रुपये प्रति किलोग्राम हैं जो दिल्ली में टमाटर की मौजूदा कीमत से काफी कम है। अभी टमाटर की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 52 रुपये प्रति किलोग्राम है, जो पिछले वर्ष के 54 रुपये प्रति किलोग्राम और 2023 के 136 रुपये प्रति किलोग्राम से अब भी कम है।

पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर बल

पीआईबी

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बुधवार (6 अगस्त, 2025) को ÷पूर्वोत्तर क्षेत्र में रसद, अवसंरचना संपर्क÷ पर उच्च-स्तरीय कार्य बल (एचएलटीएफ) की बैठक में भाग लिया। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री पेमा खांडू, मिज़ोरम के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रो. लालनीलावमा, सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री शेरिंग थेंडुप भूटिया और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के अधिकारियों सहित सम्मानित सदस्यों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

उच्च-स्तरीय कार्य बल की बैठक में राजमार्गों, रेलवे, जलमार्गों, वायुमार्गों, रसद और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्याप्त गंभीर कमियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन कमियों को दूर करने के लिए, उच्च-स्तरीय कार्य बल की बैठक में एक व्यापक बुनियादी ढांचा मास्टरप्लान तैयार करने का निर्णय लिया गया। यह योजना सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के परामर्श से तैयार की जाएगी, जिससे क्षेत्रीय विकास के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण सुनिश्चित होगा।

बैठक के दौरान चर्चा के मुख्य विषयों में राज्य-विशिष्ट बाधाओं और चुनौतियों की पहचान, महत्वपूर्ण संपर्क अंतराल और प्राथमिकता वाले बुनियादी ढांचे की जरूरतें, पूंजी निर्माण के लिए राज्य बजट और राष्ट्रीय निवेश का एकीकरण एवं 2047 तक विकसित एनईआर के लिए कार्यान्वयन प्रारूप शामिल थे।

असम के मुख्यमंत्री ने दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सामरिक महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से, सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के संपर्क को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं, हालांकि माल की उच्च परिवहन लागत अभी भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है जिसे दूर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएमएमटीटीपी) के कार्यान्वयन में तेजी आई है और यह पूर्वोत्तर क्षेत्र को म्यांमार के सित्तवे बंदरगाह से जोड़ेगा।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में भौगोलिक विस्तार और विरल जनसंख्या वितरण के कारण, अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे गांव हैं जहां सड़क संपर्क का अभाव है। उन्होंने सुझाव दिया कि एचएलटीएफ इन गांवों को पीएमजीएसवाई और भारत सरकार की अन्य प्रासंगिक योजनाओं के माध्यम से सड़क संपर्क प्रदान करने पर विचार कर सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य से उड़ानों की आवृत्ति और एयरलाइन ऑपरेटरों की संख्या बढ़ाकर होलोंगी हवाई अड्डे के लिए हवाई संपर्क बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने नीति आयोग के अनुरूप पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करने हेतु पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) को पुनर्गठित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मिज़ोरम के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च रसद लागत के मुद्दे पर विचार व्यक्त किए, जिसके कारण स्थानीय उत्पादों और वस्तुओं की लागत 20 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाती है, जिससे ये उत्पाद कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं। उन्होंने राज्य में डिजिटल संपर्क में सुधार की आवश्यकता पर भी बल दिया।

सिक्किम के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, श्री शेरिंग थेंडुप भूटिया ने कहा कि वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग-10 के लिए एक वैकल्पिक सड़क मार्ग विकसित करने की आवश्यकता है क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग-10 का सड़क संपर्क हर वर्ष मूसलाधार बारिश और भूस्खलन के कारण प्रभावित होता है। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रति सजग बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने नेपाल के साथ व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राज्यपाल ने रक्षाबंधन पर्व की दी शुभकामनाएं

रायपुर,

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल श्री डेका ने अपने संदेश में कहा है कि रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह एवं प्रेम का प्रतीक है। आज के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर पवित्र राखी का धागा बांधेगी और तिलक लगाकर उनके कल्याण की कामना करेंगे तथा भाई अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प लेंगे। श्री डेका ने कहा कि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत करे और सभी प्रदेशवासियों के पारिवारिक जीवन में सुख-शांति एवं खुशहाली लेकर आए।

रमापति राम उमापति शंभू, एक दूजे का नाम और धारा, राम दरबार है जग सारा

जूनियर रविन्द्र जैन नीलम सिंह के रामायण भजनों पर झूमे श्रोता

तुलसी में शुक्ला की पुण्य तिथि पर बही मानस रस गंगा

जांजगीर-चांपा। नवागढ़ ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत तुलसी में प्रथम सरपंच, मानस मर्मज्ञ पंडित सुशील शुक्ला की नवमीं पुण्य तिथि परंपरानुसार मनाई गई। यहां चौबीस घंटे के अखण्ड रामायण पाठ के साथ मानस गायन व प्रवचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अशोक नगर (मध्यप्रदेश) से पहुंचे नीलम सिंह यादव (जूनियर रविन्द्र जैन) के रामायण भजनों ने लोगों को झूमने पर विवश कर दिया।

गुरुवार 7 अगस्त को कीर्ति शेष पंडित सुशील शुक्ला की नौवीं पुण्य तिथि मनाई गई। कार्यक्रम में जांजगीर-चांपा विधायक ब्यास कश्यप, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष गगन जयपुरिया, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रघुराज प्रसाद पांडेय, दिनेश शर्मा, पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. परस शर्मा, सुबोध शुक्ला, हस्तरेखा विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष लोकेश शुक्ला, जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि घासीराम कश्यप और सेवा सहकारी समिति तुलसी के अध्यक्ष किशोर कश्यप, नृपेन्द्र गौरहा विशेष रुप से उपस्थित थे। उन्होंने पंडित शुक्ला के छायाचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात मानस गायन व प्रवचन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस मौके पर जूनियर रविन्द्र जैन नीलम सिंह यादव ने रामानंद सागर कृत रामायण और

कृष्णा के भजनों की प्रस्तुति दी। उन्होंने गणेश वंदना और हनुमान चालीसा से कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात मंगल भवन अमंगल हारी, कांधे पर दोऊ वीर बिठाकर चले वीर हनुमान, ओ मईया तेने का ठानी मन में, राम भक्त ले चला रे राम की निशानी जैसे भजनों को हुबहू रविन्द्र जैन की आवाज में सुनाकर उपस्थितजन समूह को भाविभोर कर दिया। इसके पश्चात श्री नारायण दीनदयाल जय जगदीश हरे और राम दरबार है जगसारा को सुनाया तो लोग भक्तिभाव से सराबोर होकर झूमने लगे। अंत में रामायण की आरती और प्रार्थना विसर्जन चौपाईयों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गायन में कप्तान ने दी संगत तो झूमने लगे लोग

पंडित सुशील शुक्ला की नौवीं पुण्य तिथि पर जूनियर रविन्द्र जैन नीलम सिंह यादव के रामायण भजनों को सुनकर श्रोता समाज भावविभोर तो थे ही इस बीच पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने माइक लेकर रामायण भजन गाने में संगत दी तो माहौल और भी भक्तिपूर्ण हो गया। इस दौरान भजन मंडली के साथ अतिथि और उपस्थित जनसमूह भी झूमने लगे। श्री पांडेय ने चार-पांच भजनों में संगत देकर लोगों को चकित कर दिया।

नौ वर्षों से मानस गायन व प्रवचन करने वाली मंडली हुई सम्मानित

पंडित सुशील शुक्ला की पुण्य तिथि पर उपस्थित अतिथियों ने उनकी स्मृति में विगत नौ वर्षों से प्रत्येक मगलवार को मानस गायन और प्रवचन करने वाली जगदंबा मानस मंडली के सदस्य और सहयोगियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने जूनियर रविन्द्र जैन भजन गायक नीलम सिंह यादव गांव के लक्ष्मी कश्यप को भी शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर विद्याधर शुक्ला, छेदी शुक्ला, धन्नुलाल तिवारी, मनोज शुक्ला, आशीष शुक्ला, जोगेन्द्र शुक्ला, योगेन्द्र शुक्ला,मजीद खान, विजय तिवारी, मंडली के माखन साहू, देवराज कश्यप, छहुरा यादव, श्यामलाल कश्यप, लखन साहू, छेदीलाल निर्मलकर, उत्तदास महंत, उमेंद केंवट, लकेश विश्वकर्मा, सुखदेव यादव, सूरज नागेश, रमेश केंवट सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पंडित शुक्ला को किया याद

कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने पंडित शुक्ला के मानस प्रेम और उनके कार्यों को याद करते हुए कहा कि उनकी स्मृति में यह आयोजन सराहनीय और अनुकरणीय है। दिनेश शर्माने आयोजन के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय ने कहा कि इस गांव का नाम तुलसी है और वहां का मानस प्रेम भी दिख रहा है। उन्होंने नौ सालों से प्रत्येक मंगलवार को हो रहे मानस गायन और प्रवचन की सराहना करते हुए सभी को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि मानस गायन और कीर्तन से मन को शांति मिलती है। सुबोध शुक्ला ने स्व. पं. सुशील शुक्ला के मानस प्रेम और समाज सेवा के कार्यों का उल्लेख करते हुए अपनी स्मृतियां साझा की। कार्यक्रम का संचालन ज्योतिषाचार्य डॉ. राजेन्द्र शर्मा ?एवं आभार प्रदर्शन डॉ. बलदेव शर्माने किया।

रक्षा बंधन की महापर्व पर ' 'एक हेलमेट भाई के नाम'' एसपी एडिशनल एसपी ने पहनाए उपहार

जान माल की सुरक्षा के लिए जिले भर में चला अभियान

जांजगीर-चांपा / एक हेलमेट भाई के नाम अभियान के तहत आज एसपी एडिशनल एसपी ने दोपहिया वाहन चालकों को निःशुल्क हेलमेट पहनाकर जिले भर में जान माल सुरक्षा का संदेश दिया है । यह अभियान पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए उचित बचाव के लिए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले में ''आपरेशन उपहार'' का शुभारंभ किया किया है, जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात उदयन बेहार के नेतृत्व में जांजगीर चांपा पुलिस द्वारा आज दिनांक 8 अगस्त 2025 को जिले के समस्त थाना चौकी क्षेत्रांतर्गत निःशुल्क हेलमेट वितरण किया गया।1हेलमेट पहनने की आदत न केवल कानूनी आवश्यकता है, बल्कि यह हमारी और हमारे परिवार की सुरक्षा की पहली ढाल है। आप सभी का यह प्रयास न केवल लोगों को जागरूक करेगा, बल्कि उन्हें प्रेरित भी करेगा कि जीवन की कीमत किसी जुर्माने से नहीं, जिम्मेदारी से समझी जाती है।

कार्यक्रम का उद्देश्यः

हेलमेट पहनकर मोटर सायकल चलाने के लिए जागरूक करना, सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करना, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना और लोगों को सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए प्रेरित करना। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की अपील शामिल है। यातायात नियमों का पालन न करने से होने वाले जान- माल की हानि पर प्रकाश डालना, सुरक्षित वाहन चलाने की महत्ता को समझना है। ''आपरेशन उपहार*'' के तहत जिले के विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता, चांपा पेट्रोल पंप संघ, संगठन, व्यापारीगण, व्यावसायिक व औद्योगिक संगठन एवं जन सहयोग से हेलमेट जांजगीर पुलिस को हेलमेट प्रदाय किया गया है, जिसे पुलिस द्वारा दोपहिया चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक करते हुए वितरण किया जा रहा है।

जांजगीर-चांपा के 866 अभ्यर्थियों ने अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा में पाई सफलता

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने दी बधाई व शुभकामनाएं

जिला प्रशासन द्वारा 01 सितम्बर से दिया जाएगा निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण

जांजगीर-चांपा अग्निवीर भर्ती की लिखित परीक्षा में जांजगीर-चांपा जिले के 866 अभ्यर्थियों ने सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण है, बल्कि प्रदेश स्तर पर भी जांजगीर-चांपा को दूसरे स्थान पर है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा इस सफलता से जिले के अन्य युवाओं को प्रेरणा मिलेगी।

कलेक्टर श्री महोबे ने आगामी 1 सितम्बर से सभी सफल उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण की शुरूआत करने के निर्देश खेल अधिकारी को दिए हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य अभ्यर्थियों को शारीरिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए तैयार करना है, ताकि जिले से अधिक से अधिक युवाओं का चयन सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग प्रदान करेगा, चाहे वह प्रशिक्षण सामग्री हो, विशेषज्ञ मार्गदर्शन हो या आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रशिक्षण को पूरी निष्ठा और गुणवत्ता के साथ संचालित किया जाए। इस पहल से न केवल युवाओं का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि जांजगीर-चांपा जिले की पहचान भी राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। कलेक्टर ने कहा कि यह सफलता जिले के युवाओं की लगन, मेहनत और संकल्प का परिणाम है। साथ ही कलेक्टर ने पूर्व सैनिक कल्याण संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रशिक्षण के फलस्वरूप जिले के युवाओं ने लिखित परीक्षा में सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि लिखित परीक्षा में सफलता के बाद अब अगला महत्वपूर्ण चरण शारीरिक दक्षता परीक्षा है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा पूर्व सैनिकों, अनुभवी प्रशिक्षकों के माध्यम से निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे अभ्यर्थियों को शारीरिक रूप से पूर्ण रूप से तैयार होने का अवसर मिलेगा और सफलता की संभावना बढ़ जाएगी।

रोजगार दिवस में जल संरक्षण, अमृत सरोवर, हर घर तिरंगा, गुड गवर्नेंस एवं मनरेगा एप की ग्रामीणों को दी गई जानकारी

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे के मार्गदर्शन में जिले में प्रत्येक माह की 7 तारीख को रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में आयोजित रोजगार दिवस कार्यक्रम में मनरेगा जॉब कार्डधारी परिवारों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) से संबंधित अमृत सरोवर, हर घर तिरंगा, गुड गवर्नेंस, जनमनरेगा मोबाइल एप, जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्य, एक पेड़ मां के नाम अभियान, मोर गांव-मोर पानी सहित सामुदायिक एवं हितग्राही मूलक कार्यां की महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।

रोजगार दिवस में ग्रामीणों को बताया गया कि मनरेगा के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है, जिसमें जल संचयन संरचनाएं, सोखता गड्ढों का निर्माण, तालाब गहरीकरण और चेक डैम निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। जिले में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत ग्रामीणों द्वारा जनभागीदारी के माध्यम से पौधरोपण किया जा रहा है। रोजगार दिवस में बताया गया कि जनमनरेगा एप के माध्यम से गांव में हो रहे कार्यों की निगरानी कर सकते हैं, प्रगति देख सकते हैं और पारदर्शिता सुनिश्चित कर सकते हैं। इससे योजनाओं में जनभागीदारी और जवाबदेही दोनों बढ़ती हैं। अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत गांवों में जलाशयों का निर्माण

एवं पुनर्जीवित किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में सुधार हो सके। मोर गांव -मोर पानी अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को जल प्रबंधन, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उपाय बताए गए। रोजगार दिवस में गुड गवर्नेंस की अवधारणा पर चर्चा करते हुए बताया गया कि पारदर्शिता, जवाबदेही और समय पर योजनाओं का क्रियान्वयन ही सुशासन की पहचान है। साथ ही, हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनता की भागीदारी पर जोर दिया गया। रोजगार दिवस में जॉब कार्डधारी परिवार, ग्रामीण सहित ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, पंचायत प्रतिनिधि, महिला स्व-सहायता समूह उपस्थित रहे।

भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चाम्पा में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा 06 अगस्त 2025/ छत्तीसगढ़ शासन, ग्रामोद्योग संचालनालय (हाथकरघा) रायपुर अंतर्गत भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, चाम्पा एवं बरगढ़ (उड़ीसा) में जुलाई 2025 से प्रारंभ होने वाले डिप्लोमा इन हैण्डलूम एण्ड टेक्सटाईल टेक्नोलॉजी के त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के प्रथम सेमेस्टर में 30 सीट एवं लेटरल एण्ट्री के आधार पर सीधे तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु 26 सीट के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के निवासियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। प्राचार्य भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान चांपा ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु 10वीं अथवा समकक्ष परीक्षा अंग्रेजी विषय सहित उत्तीर्ण होना एवं आयु सीमा 01 जुलाई 2025 को 15 से 23 वर्ष एवं एससी, एसटी अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 17 से 25 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। सीधे तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु गणित, भौतिकी एवं रसायन विषय सहित 12वीं की परीक्षा के साथ वस्त्र प्रौद्योगिकी में अतिरिक्त विषय सहित 10वीं व 12वीं परीक्षा के साथ 02 वर्ष का औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी तृतीय सेमेस्टर में प्रवेश हेतु पात्र होंगे, जिसकी आयु सीमा 01 जुलाई 2025 को 17 से 25 वर्ष के बीच एवं एससी, एसटी के अभ्यर्थियों के लिए आयु सीमा 17 से 27 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। आवेदन पत्र संस्थान के वेबसाईट www.iihtchampa.org.in से डाऊनलोड किया जा सकता है। स्वप्रमाणित आवेदन पत्र पोस्ट द्वारा iihtchampacg@gmail-com में ईमेल द्वारा या स्वयं उपस्थित होकर 15 अगस्त 2025 को सायं 5.00 बजे तक प्राचार्य, भारतीय हाथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, मड़वा प्लांट रोड, लछनपुर चौक, चाम्पा, जिला जांजगीर-चाम्पा (छ.ग.) 495669 में जमा किया जा सकता है।

प्रदेश स्तरीय हथकरघा बुनकर सम्मान समारोह 2025 सरस्वती शिशु मंदिर चांपा में गरिमामय रूप से सम्पन्न

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस 2025 के अवसर पर सहकार भारती छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर चांपा में प्रदेश स्तरीय हथकरघा बुनकर सम्मान समारोह का आयोजन भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए उत्कृष्ट हथकरघा बुनकरों को पारंपरिक कोसा से बनी साल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रामप्रकाश केशरवानी (प्रदेश कोषाध्यक्ष, सहकार भारती), श्रीमती जया द्विवेदी (प्रदेश मंत्री, सहकार भारती), एवं श्री घनश्याम तिवारी (प्रदेश संयोजक, पैक्स प्रकोष्ठ, सहकार भारती) की गरिमामय उपस्थिति रही।

साथ ही मंच पर श्री मुरली देवांगन (संचालक, सीताराम हथकरघा उद्योग, चांपा), श्री जीतराम देवांगन (पूर्व संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा बोर्ड), श्री रामाधार देवांगन (सलाहकार सदस्य, केंद्रीय रेशम बोर्ड दिल्ली), डॉ. सुरेश देवांगन (समाजसेवी), लाला देवांगन जी, श्रीमति अनिता खंडेलवाल , एवं श्रीमति किरण अग्रवाल ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई।

इस सम्मान समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए बुनकरों में सुनील देवांगन, दिलीप देवांगन, शिवशंकर देवांगन, नारायण देवांगन, नौकराम देवांगन, जगन्नाथ देवांगन, अमृतलाल देवांगन, अमरनाथ सोनी, कृष्णकुमार देवांगन, बाबूलाल देवांगन, समेलाल देवांगन, शत्रुघ्न देवांगन, चंद्रशेखर कर्ष सहित अन्य बुनकरों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में पूरे प्रदेश भर से बुनकरों की उत्साहजनक भागीदारी रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमोद देवांगन, ललित देवांगन, टीकम देवांगन एवं बुधराम देवांगन का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री घनश्याम तिवारी द्वारा प्रभावशाली रूप से किया गया।

समारोह में वक्ताओं ने हथकरघा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार और बुनकरों के सामाजिक-आर्थिक उत्थान पर बल देते हुए, संगठित सहकारिता आंदोलन के माध्यम से नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की गई कि सहकार भारती बुनकर प्रकोष्ठ का राष्ट्रीय अधिवेशन आगामी 23 एवं 24 अगस्त 2025 को जैनम धर्मशाला, रायपुर में आयोजित किया जाएगा। समारोह के माध्यम से प्रदेश के समस्त बुनकर बंधुओं से इस महत्वपूर्ण आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

रक्षाबंधन पर 95 साल बाद बन रहा महासंयोग भाई बहन के रिश्ते में आएगी चमत्कारिक ऊर्जा

एजेंसी। हमारे शास्त्रों और पुराणों में रक्षाबंधन केवल एक पारिवारिक रस्म नहीं, बल्कि धर्म, कर्तव्य और वचनबद्धता का प्रतीक माना गया है. इसकी सबसे प्रसिद्ध कथा महाभारत काल से जुड़ी है – जब भगवान श्रीकृष्ण ने शिशुपाल का वध करते समय सुदर्शन चक्र चलाया और उनकी उंगली से रक्त निकल आया. तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर कृष्ण की उंगली पर बांध दिया. यह केवल एक तात्कालिक सहायता नहीं थी, बल्कि एक आत्मीय रक्षा-सूत्र था. इसी क्षण से श्रीकृष्ण ने द्रौपदी को जीवन भर रक्षा का वचन दिया. वही वचन उन्होंने सभा में निर्वस्त्र की जा रही द्रौपदी को बचाकर निभाया. यह कथा इस पर्व के भीतर छुपे उस महान उद्देश्य को स्पष्ट करती है कि रक्षा का बंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि किसी भी आत्मीय संबंध में निभाए गए वचन की गरिमा का प्रतीक है. रक्षाबंधन दरअसल उस मूल्य को जीवित रखता है जहाँ एक सूत्र, एक भाव, एक कर्तव्य जीवनभर के लिए बंध जाता है. इस बार जब राखी बांधने की बात हो, तो केवल रिश्तों के रेशम की डोरी न देखें – इस दिन के ज्योतिषीय संकेतों को भी महसूस करें. श्रवण नक्षत्र चंद्र से जुड़ा है, जो भावनाओं और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है. सौभाग्य योग जीवन में स्थायित्व और समृद्धि लाता है, जबकि सर्वार्थ सिद्धि योग किसी भी शुभ कार्य को पूर्ण फलदायी बना देता है।

खास खबर

सौतले पिता ने किया नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म, गिरफ्तार

कोरबा,। जिले की पुलिस सहायता केन्द्र-मानिकपुर, थाना कोतवाली क्षेत्र में एक सौतले पिता ने अपनी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया तथा किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर आरोपी को 72 घंटो के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया चौकी मानिकपुर क्षेत्र की चौकी उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर प्रथम सूचना पत्र दर्ज करायी कि आरोपी धमेन्द्र साहू निवासी मानिकपुर डीपरापारा सोसाईटी के पास चौकी मानिकपुर थाना कोतवाली जिला कोरबा के द्वारा घटना दिनांक 02.08.2025 के सुबह 11 बजे के आसपास जबरन इसके साथ शारीरिक संबंध बनाया है तथा घटना को किसी को बताने पर जान से मारने का धमकी दी है। प्रार्थिया के लिखित आवेदन पर आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण की गम्भीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियो के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मुखबीर को सक्रिय किया गया तथा फरार आरोपी को तकनीकि साक्ष्य एकत्र कर 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी पीड़ित नाबालिग का सौतेले पिता है जिसे हिरासत में लेकर उसके विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना सबूत पाये जाने से उक्त धारा सदर में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया जा रहा है।

लाईवलीहुड कॉलेज में भोजन व्यवस्था के लिए 28 तक प्रस्ताव

बिलासपुर बिल्हा के निपनिया स्थित लाइवलीहुड कॉलेज में भोजन एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था संचालन के लिए पंजीकृत महिला स्व सहायता समूहों से प्रस्ताव आमंत्रित किये गये है। आवेदन के इच्छुक महिला समूह का पंजीयन एनआरएलएम अथवा एनयूएलएम में होना चाहिए। प्रस्ताव 28 अगस्त को दोपहर 2 बजे तक पहुंच जाने चाहिए। इसे 1 सितम्बर 2025 को दोपहर 12 बजे खोला जाएगा। उल्लेखनीय है कि लाइवलीहुड कॉलेज में युवाओं के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होते रहते है। उन्हें स्थानीय स्तर पर भोजन एवं स्वल्पाहार उपलब्ध कराया जाता है। विस्तृत जानकारी के लिए जिला प्रशासन की वेबसाईट www.bilaspur.gov.in का अवलोकन किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना पर कार्यशाला

बिलासपुर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में कल 8 अगस्त को अपरान्ह 3 बजे से लखीराम स्मृति ऑडोटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला में प्रधानमंत्री मुफ्त सूर्य घर बिजली योजना और इसका लाभ लेने के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि योजना के अंतर्गत बिजली उपकरण अपने घर में ही स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकार की ओर से भारी अनुदान दिया जा रहा है। हर महीने अपने घर में ही बिजली संयत्र स्थापित कर 200 से 360 यूनिट तक बिजली उत्पादित कर सकते है। जरूरत से ज्यादा बिजली होने पर इसे पावर ग्रिड में डालकर अतिरिक्त आमदनी भी कमाई जा सकती है।

बिलासपुर रीजन में पीएम सूर्यघर योजना के लिए हुए स्पॉट रजिस्ट्रेशन

हाफबिल से मुफ्त बिजली बिल की ओर कदम

संवाददाता
बिलासपुर ।

छत्तीसगढ़ में उपभोक्ता हाफ बिजली से मुफ्त बिजली बिल की योजना की ओर ले जाने तिफरा स्थित कल्याण भवन में ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन किया गया । छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी इस योजना के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष अभियान चला रही है, जिसके तहत रूफटॉफ सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन आरंभ किया गया। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक ए. के. अम्बष्ट ने बिलासपुर रीजन में भी इस शिविर का आगाज किया। वहां 60 से अधिक आवेदकों ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत अपने आवास में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। साथ ही कोरबा में आयोजित में 22 से अधिक आवेदकों ने इस योजना के अन्तर्गत अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक अम्बष्ट ने कहा कि हमें स्वच्छ और हरित ऊर्जा के मामले में कदम बढ़ाना है। इसके लिए प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है, जो हर उपभोक्ता को बिजली उत्पादक बना देगी। इस योजना की शुरुआत पॉवर कंपनी के अधिकारी-कर्मचारियों से किया गया, ताकि आस-पड़ोस व मोहल्ले के लोग उसे देखकर प्रेरित हों और वे भी सोलर प्लांट लगवाने आवेदन करें, जिसमें स्थानीय अधिकारी-कर्मचारियो ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया।

कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक अम्बष्ट ने बताया कि इस योजना के तहत राज्य सरकार ने भी भारी अनुदान की घोषणा की है, जिसके तहत अब एक किलोवाट क्षमता के प्लांट लगाने पर 45 हजार रुपए की छूट मिलेगी। दो किलोवाट पर 90 हजार और तीन किलोवाट पर एक लाख आठ हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी। रजिस्ट्रेशन के बाद सोलर पैनल लगाने वाले तकनीकी अधिकारी उनके आवास पर जाकर ड्राइंग-डिजाइन और प्राक्कलन तैयार करेंगे और उपभोक्ता के घर पर रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट की स्थापना करेंगे। पहले चरण में बिजली कंपनियों के अधिकारी-कर्मचारियों ने इस योजना के लिए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अतिरिक्त मुख्य अभियंता डी. के. भोजक ने कहा कि इस योजना में आप अपनी मासिक बिजली बिल जितना ईएमआई देकर अपना बिजली बिल शून्य कर सकते हैं। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता सर्वश्री सुरेश जांगड़े, पी. आर. साहू व्ही. बी. एस. कंवर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीईओ ने अनुकंपा नियुक्ति के पूर्व मंगाई दावा-आपत्ति

बिलासपुर जिला शिक्षा अधिकारी ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों के छानबीन के क्रम में तीन दिवस के भीतर आमजनता से दावा आपत्ति मंगाई है। फिलहाल 3 आवेदकों ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किये हैं। डीईओ ने बताया कि शासकीय प्राथमिक शाला खैराडीह में सहायक शिक्षक एलबी के पद पर कार्यरत स्व. बलभद्र सिंह गोड के परिवार से उनके पुत्र चंद्र मोहन सिंह, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सकर्रा में भृत्य के पद पर कार्यरत स्व. बहोरन लाल कौशिक के पुत्र संजय कुमार एवं कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी तखतपुर में कार्यरत स्व. ओम प्रकाश के परिवार से उनके पुत्र यश साहू ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन दिया है। आमजनों की जानकारी में यदि दिवंगत शासकीय सेवकों के आश्रित परिवारों में यदि कोई सदस्य राज्य अथवा केन्द्र की शासकीय सेवा में कार्यरत होने की सूचना है, तो वे तीन दिवस के भीतर पुरानी कम्पोजिट बिल्डिंग स्थित कक्ष क्रमांक 25, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा डाक के जरिए जानकारी दे सकते हैं ताकि नियमानुसार पात्र व्यक्ति को ही अनुकंपा नियुक्ति का लाभ दिया जा सके।

लोफंदी में मनाया गया राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस

90 की उम्र में भी काम करने वाले बुनकर पदुमलाल का सम्मान

बिलासपुर (संवाददाता)।

शहर से लगे ग्राम लोफंदी में 11वां राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति मर्यादित लोफन्दी में किया गया। समारोह में जिले के हाथकरघा वस्त्र उत्पादन में सम्मिलित बुनकर समिति के अध्यक्ष, प्रतिनिधि एवं बुनकर शामिल हुए। इस खास अवसर पर 90 साल की उम्र में भी सक्रिय होकर बुनकरी का काम करने वाले पदुमलाल पिता मनिराम देवांगन का सम्मान किया गया। इसके अलावा 70 वर्ष से ज्यादा आयु वाले सभी बुनकरों का हाथकरघा विभाग की ओर से अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर उपस्थिति सभी बुनकर सदस्यों को एक-एक पौधा भेट किये गये तथा ग्राम-लोफन्दी में वृक्षारोपण कर उन्हे संरक्षित करने का संकल्प बुनकरों के द्वारा लिया गया है।

ग्रामोद्योग विभाग, संचालनालय हाथकरघा रायपुर द्वारा सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति में आहता निर्माण हेतु समग्र हाथकरघा विकास योजनान्तर्गत राशि रूपये 10 लाख की स्वीकृति दी गयी। उक्त राशि से समिति में अहाता निर्माण किये जाने हेतु भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित डोमूदास धकाते उपसंचालक जिला हाथकरघा कार्यालय बिलासपुर द्वारा हाथकरघा बुनकरों के विकास हेतु संचालित भारत सरकार एवं राज्य सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी। राज्य शासन की महत्वकांक्षी शासकीय वस्त्र प्रदाय योजनान्तर्गत प्राप्त वस्त्र उत्पादन लक्ष्य को समय सीमा में पूर्ण करने हेतु सम्मुचित मार्गदर्शन बुनकरों को किया गया। कार्यक्रम में ग्राम-लोफन्दी के सरपंच अयोध्या प्रसाद देवांगन, सत्यनारायण बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष बजरंग देवांगन एवं जिले की अन्य बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष/प्रतिनिधि तथा ग्राम-लोफन्दी के सैकड़ों बुनकर उपस्थित रहे है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 7 अगस्त को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस घोषित किये जाने के फ्लस्वरूप प्रथम राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस चैन्नई में इसी दिन आयोजित किया गया था। हाथकरघा की बुनाई हमारी सांस्कृतिक धरोहर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुनकरों द्वारा हाथकरघा पर निर्मित वस्त्र बुनाई कला देश की पहचान को विश्वभर में प्रसिद्ध बनाया है। हाथकरघा क्षेत्र में अपनी अद्वितीय बुनाई कला और कौशल का प्रदर्शन किया है और भारतीय हाथकरघा को वैश्विक पहचान दिलाई है। हाथकरघा बुनकरों की धरोहर और संस्कृति को धागों के माध्यम से संजोने में अहम भूमिका निभाने वाले सभी शिल्पकारों एवं बुनकरों को यह राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस समर्पित है।

स्कूली बच्चों ने रंगोली और पेंटिंग के माध्यम से दिया देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश

बिलासपुर। संवाददाता

शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा के दिव्यांग छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग कार्यक्रम के अंतर्गत देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति अपनी भावना का सुंदर प्रदर्शन किया। बच्चों ने मधुर स्वच्छता गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसी के साथ ही बच्चों ने रंगोली और पेंटिंग के माध्यम से स्वतंत्रता व स्वच्छता थीम पर अपनी रचनात्मकता से सबका दिल जीत लिया।

जमानत पर छूटने के बाद निकाला जुलूस, वीडियो वायरल होते ही फिर पहुंचा जेल

रायगढ़ (संवाददाता)। जमानत पर रिहा होकर शहर में जुलूस निकालना एक आदतन अपराधी को महंगा पड़ गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के दुर्गेश महंत (21) ने साथियों के साथ बाइक काफि ले में नारेबाजी करते हुए खुलेआम जुलूस निकाला, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस हरकत में आ गई और उसे दोबारा गिरफ्तार कर फिर से जेल भेज दिया गया। दुर्गेश महंत, निवासी कोतरारोड, बैकुंठपुर रायगढ़, करीब तीन माह पहले थाना जूटमिल क्षेत्र में दर्ज एक मारपीट के मामले में जेल भेजा गया था। हाल ही में उसे अदालत से जमानत मिली थी। लेकिन जेल से छूटते ही उसने अपने साथियों के साथ शहर में जुलूस निकाल कर कानून को खुली चुनौती दी। वीडियो में दुर्गेश महंत बाइक सवारों के काफिले में नारेबाजी करते हुए देखा गया। यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, पीड़ित पक्ष और आम नागरिकों ने नाराजगी जताई और कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से दुर्गेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने जुलूस निकालने की बात स्वीकार की।पुलिस जांच में सामने आया कि दुर्गेश महंत एक सक्रिय और आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं और अन्य थानों में भी उसका आपराधिक रिकॉर्ड है।

रिजर्व बैंक के निर्देश पर बैंकिंग योजनाओं का लाभ दिलाने गांव-गांव लग रहे विशेष शिविर

मझगांव शिविर में 83 लोगों ने कराए सुरक्षा बीमा

बिलासपुर संवाददाता।

भारत सरकार के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा वित्तीय समावेशन योजनाओं की संतृप्ति स्तर हासिल करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। ये शिविर लीड बैंक द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से जिले की सभी 486 ग्राम पंचायतों में कार्ययोजना के अनुरूप आयोजित की जा रही है। इस सिलसिले में कोटा विकासखण्ड के ग्राम मझगांव में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 210 जनधन खातों की पुनः केवाईसी की गई, 23 नए जनधन खाते खोले गए, 54 लोगों ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, 29 ने जीवन ज्योति बीमा योजना और 10 ने अटल पेंशन योजना खाते खोले गए। इस तरह के शिविर 31 सितम्बर तक विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगाये जायेंगे। लीड बैंक अधिकारी दिनेश उरांव ने बताया कि गांव स्तर पर आयोजित इन शिविरों में विशेष रूप से जनधन एवं सभी निष्क्रिय खातों में केवाईसी, जनधन खाता खोलना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के कार्य किये जायेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार हर बैंक खाते का निश्चित अंतराल में केवाईसी किया जाना अनिवार्य किया गया है।

कोटा में आयोजित विशेष शिविर में स्टेट बैंक कोटा, बेलगहना, ग्रामीण बैंक कोटा एवं बेलगहना, पंजाब नेशनल बैंक कोटा, सेंट्रल बैंक कोटा एवं एचडीएफसी बैंक कोटा ने हिस्सा लिया। भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर कार्यालय के महाप्रबंधक मनीष पाराशर ने शिविर का निरीक्षण किया और हो रहे कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों एवं लाभार्थियों से संवाद कर वित्तीय समावेशन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक, रायपुर के सहायक महाप्रबंधक दीपेश तिवारी, भारतीय स्टेट बैंक के आर.एम. अविनाश सोनी, पंजाब नेशनल बैंक के सर्कल हेड जगदीश राय, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के आर.एम. सुरेश कुमार राजपूत, प्रबंधक वित्तीय समावेशन विमल कुमार प्रसाद और सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत कुकरा और रीवा में वृहद वृक्षारोपण, महिलाओं को मिला रोजगार और आत्मनिर्भरता का नया मार्ग

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत

रायपुर, संवाददाता

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जिले के ग्राम पंचायतों में एक नई जागरूकता की लहर दौड़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जनपद पंचायत आरंग के अंतर्गत ग्राम पंचायत रीवा और ग्राम पंचायत कुकरा में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रमों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है, बल्कि स्थानीय महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी नई राह दिखाई है। ग्राम पंचायत रीवा में जागृति स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने ग्राम कुकरा आरंग क्षेत्र में 500 पौधे रोपे। इन पौधों में नींबू, सीताफल, आवंला, अमरूद, कटहल, बादाम जैसे फलदार वृक्षों के साथ नीम जैसे वानिकी पौधे भी शामिल हैं। इस प्रयास से आने वाले तीन वर्षों तक महिलाओं को महात्मा गांधी नरेगा योजना के अंतर्गत रोजगार मिलेगा, साथ ही भविष्य में इन फलों की बिक्री से आय में भी वृद्धि होगी। वहीं ग्राम पंचायत कुकरा में जय अम्बे स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा डेढ़ एकड़ भूमि में 900 पौधे लगाए गए, जिनमें 450 फलदार और 450 वानिकी पौधे शामिल हैं। फलदार पौधों में अमरूद, जामुन, आम, कटहल, शहतूत, सीताफल आदि प्रमुख हैं, जबकि वानिकी पौधों में कचनार, नीम, दसमत, करंज और बहेरा के पौधे शामिल हैं।

इस वृक्षारोपण अभियान की सबसे विशेष बात यह है कि इसे ष्टरुन्न के माध्यम से क्रियान्वित किया गया है, जिससे स्थानीय स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार मिलेगा। साथ ही, इन पौधों से भविष्य में प्राप्त होने वाले फलों के विक्रय से उनकी आमदनी भी बढ़ेगी, जिससे ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से और भी सशक्त बनेंगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान ने ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण को भी सशक्त रूप से आगे बढ़ाया है।

राज्य स्तरीय रोजगार मेला के लिए बैठक में की गई चर्चा

बिलासपुर प्रदेश में आगामी माह में होने वाले राज्य स्तरीय मेले के आयोजन के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के संचालक विजय दयाराम ने की। उन्होंने आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ एस. के. सिंघई को बिलासपुर संभाग से इस आयोजन को सफलतापूर्वक पूर्ण करने की जिम्मेदारी दी गई। इसी तारतम्य में 4 अगस्त को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय कोनी बिलासपुर में कोर समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ एस. के. सिंघई, शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक बिलासपुर के प्राचार्य प्रो अभिषेक अवस्थी सहित रोजगार विभाग के उपसंचालक अमन पहारे उपस्थित रहे। इस बैठक में आगामी रोजगार मेला को सफल बनाने हेतु कार्य योजना बनाई गई। जिसके तहत 8 अगस्त को संभाग के सभी इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा संस्थानों के प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारियों को तथा 11 अगस्त को को संभाग के सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के प्रशिक्षण एवं नियोजन अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। इन प्रशिक्षणों में छात्र छात्राओं को ई रोजगार पोर्टल में पंजीयन कराये जाने, साक्षात्कार की तैयारी कराये जाने के सम्बन्ध में मार्गदर्शन दिया जाएगा।

माताओं- बहनों की खुशहाली ही है विष्णु देव का

संकल्प रक्षाबंधन

एक बहन के लिए भाई उसके सम्मान, सुरक्षा और समृद्धि की कामना करता है, ताकि वह खुशहाल जीवन जी सके। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश की माताओं- बहनों के प्रति इसी संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता से काम रही है। बैंक खाते में नगद राशि के साथ 'महतारी वंदन योजना' उन्हें आत्मनिर्भरता और सम्मान दिला रहा है। प्रदेश की लाखों महिलाएं 'लखपति दीदी' बनकर समृद्धि का रास्ता तय कर रही हैं। महिला सशक्तिकरण की योजनाओं से प्रदेश में महिलाओं के अंदर अब जो सुरक्षा का भाव पैदा हुआ है, वह उन्हें एक नया आत्मविश्वास दिला रहा है।

"भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का पर्व 'रक्षाबंधन' हमारी संस्कृति का महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस दिन बहनें मंगल कामना के साथ अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। यह त्यौहार भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को और मजबूत बनाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार अपनी बहनों के साथ ही सभी महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और अस्मिता के लिए जागरूक और प्रतिबद्ध करता है। हमारी सरकार उनकी सुरक्षा, सम्मान, समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है।

-विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सशक्त महिलाएं समृद्ध छत्तीसगढ़

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें

महतारी वंदन योजना

अब तक 69.19 लाख से अधिक महिलाओं को ₹11728 करोड़ की सहायता

सखी वन स्टॉप सेंटर

SOP लागू करने वाला पहला राज्य, संकटग्रस्त महिलाओं को तत्काल सहायता, परामर्श और कानूनी सहायता

यूनिटी मॉल

महिला स्व-सहायता समूहों को नवा रायपुर में उत्पादों के विक्रय के लिए मिलेगा वृहद बाजार

मानदेय सीधे बैंक खातों में

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय अब सीधे बैंक खातों में भुगतान से पारदर्शिता

महतारी सदन

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी ग्राम पंचायतों में उद्यम- व्यवसाय केंद्र की स्थापना

छत्तीसगढ़ महिला कोष

महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण

सक्षम योजना

विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा और अविवाहित महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में सहायता

लखपति दीदी योजना

योजना का उद्देश्य प्रत्येक जिले में 35,000 महिलाओं को प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत करना

बिहान योजना

इसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से संगठित करना

मिनीमाता महतारी जतन योजना

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों को प्रसव के बाद 20,000 की आर्थिक सहायता

मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना

18 से 50 वर्ष की महिला श्रमिकों को सिलाई मशीन हेतु सहायता

महिला कल्याण के लिए चार नए पोर्टल

- शी- बाक्स ऑनलाइन शिकायत पोर्टल
- बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ पोर्टल
- महिलाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे के विकास और निगरानी के लिए इंफ्रा पोर्टल
- महिला कल्याण की विभिन्न योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन के लिए स्थापना पोर्टल

सम्मान

खिलेश्वरी को मिली आर्थिक सुरक्षा

रायपुर जिले के बनरसी गाँव निवासी खिलेश्वरी ओगरे बिहान शारदा ग्राम संगठन समूह से जुड़ी हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली 1,000 रुपये की सहायता से वे अब आर्थिक सुरक्षा का अनुभव कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहले परिवार का भरण-पोषण मुश्किल था, लेकिन अब यह राशि उनके खाते में जमा रहती है, जो विपरीत परिस्थितियों में सहारा बनती है। वे कहती हैं, "महीने के अंत में जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो इस 1,000 रुपये से हमें बहुत मदद मिलती है। मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ।" खिलेश्वरी, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के बिहान समूह से भी जुड़ी हैं। इस समूह से जुड़कर उनके जैसी ही कई महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की राह पर चल रही हैं।

सुरक्षा

सुरक्षित मातृत्व के लिए सहायता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत् पहली बार माँ बनने वाली महिलाओं को दो किस्तों में सहायता राशि दी जाती है। पहली किस्त में 3000 रुपए दिए जाते हैं और दूसरी किस्त में 2000 रुपए की राशि प्रसव के बाद टीकाकरण की पुष्टि होने पर दी जाती है। महासमुंद के इमलीभाठा में रहने वाली गायत्री देवांगन ऐसी ही एक महिला हैं। जब उन्हें इस योजना के तहत 5000 रुपए की राशि मिली, तो उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने अच्छे स्वास्थ्य और पोषण पर किया। इसके साथ ही उन्हें राज्य सरकार की कौशल्या मातृत्व सहायता योजना के अंतर्गत दूसरी बार गर्भवती होने पर 6000 रुपए की अतिरिक्त सहायता प्राप्त हुई।

समृद्धि

सफल कारोबारी के रूप में मिली पहचान

एक सामान्य परिवार से आने वाली नीतू गुप्ता ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' अंतर्गत लक्ष्मी स्वसहायता समूह से जुड़कर बैंक लिंकेज के माध्यम से एक लाख रुपये का मुद्रा लोन लेकर किराने की दुकान खोली। नीतू सिलाई का कार्य भी करती हैं। साथ ही अपने पति श्री सुनील गुप्ता के साथ खेती कार्य में भी उनका साथ देती हैं। नीतू ने लोन से लिए हुए पैसों से कारोबार शुरू किया और अपनी मेहनत और हुनर के दम पर अब एक सफल कारोबारी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। वे अब अपने बच्चों का पालन पोषण अच्छी तरह से कर पा रही हैं। वे आज लखपति दीदी बन गई हैं।

समानता

व्यंजन बनाने की रुचि ने बनाया आत्मनिर्भर

25 वर्षीया पायल नेताम ने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत चार लाख रुपये का ऋण लेकर बेकरी की दुकान खोली। वे बेकरी व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी हासिल कर रही हैं। साथ ही दो लोगों को रोजगार भी दिया है। पायल केक तैयार कर आसपास के गांवों में ऑर्डर अनुसार भेजती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन दो से तीन हजार रुपये तक शुद्ध आय हो जाती है। इससे उन्हें समाज में समानता और अत्मनिर्भरता वाली पहचान मिली है। पायल ने अपने हुनर और कौशल के साथ शासकीय योजना का लाभ लेकर अपने आप को अब सफल कारोबारी के रूप में स्थापित कर लिया है।

सशक्तीकरण

पुष्पा के हौसलों को मिली उड़ान

पुष्पा यादव 20 दिनों का ड्रोन पायलेट का प्रशिक्षण पूरा करने के बाद गांवों के खेतों में फसलों पर ड्रोन चलाकर कीटनाशक का छिड़काव करती हैं। प्रति एकड़ कीटनाशक छिड़काव करने पर उन्हें 300 रुपए की आय होती है। विगत डेढ़ माह में ही वह 26 हजार रुपए की आय अर्जित कर चुकी हैं। वे कहती हैं कि स्वयं की खेती, पशुपालन, नरेगा मैट, ड्रोन पायलेट का कार्य कर सालभर में 1 लाख 50 हजार रुपए से अधिक कमा रही हूं। अब पुष्पा को नई पहचान मिली है। गांव वाले उन्हें ड्रोन दीदी पुष्पा के नाम से जानने लगे हैं। पुष्पा की आत्मनिर्भरता देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं और उन्हें भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है।

सहभागिता

साथ मिलकर तरक्की की राह पर

छत्तीसगढ़ का 'जशप्योर ब्रांड' जो आदिवासी महिलाओं द्वारा बनाए गए उच्च गुणवत्ता वाले और स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करता है। अब यह ब्रांड केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत में अपनी जगह बना चुका है, चाहे वह ऑनलाइन हो या ऑफलाइन। समूह से जुड़ी कई महिलाएं आज पूरी आत्मनिर्भरता के साथ सम्मान पूर्वक जीवन जी रही हैं। जशप्योर आदिवासी महिलाओं का सशक्तिकरण और उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का सफल प्रयास है। इसके माध्यम से इन महिलाओं को रोजगार का अवसर मिला है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली है।

Ro-44836/70

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि., जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)